मंगलवार
01 फरवरी 2022

पृष्ठ 4

विटामिन- डी की कमी को दूर करने में सक्षम हैं ये पेय पदार्थ, डाइट में करें शामिल

पृष्ठ 5

दीपिका, ऋतिक संग काम करने के लिए उत्साहित हैं

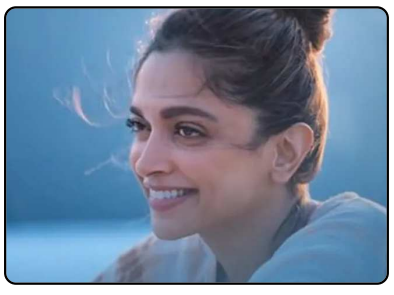

● देहरादून
● वर्ष 30
● अंक 09
● पृष्ठ 8
● मूल्य ₹ 1.00

आज का विचार

पिता की सेवा करना जिस प्रकार कल्याणकारी माना गया है वैसा प्रबल साधन न सत्य है, न दान है और न यज्ञ हैं।

— वाल्मीकि

दूनवैलीमेल

सांध्य दैनिक
आर.एन.आई.- 59626/94
email: doonvalley_news@yahoo.com Website: dunvalleymail.com
डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

भाजपा का महा चुनाव प्रचार अभियान शुरू

कांग्रेस के सभी एजेंडे काल्पनिक: धामी

संवाददाता

देहरादून। राज्य में 14 फरवरी को होने वाले विधानसभा चुनावों के मद्देनजर भाजपा ने आज से अपने चुनाव प्रचार का महा अभियान शुरू कर दिया है। राजपुर सीट से शुरू किए गए इस महा अभियान की शुरुआत करते हुए सीएम पुष्कर सिंह धामी ने कांग्रेस पर प्रहार करते हुए कहा कि कांग्रेस के पास सभी एजेंडे काल्पनिक है। कांग्रेस और उसके एजेंडे सिर्फ चुनाव तक दिखाई दे रहे हैं। चुनाव के बाद न कांग्रेस ही नजर आएगी न उसके एजेंडे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि कांग्रेस कभी चारधाम की बात करती है तो कभी महंगाई कम करने की, तो कभी सभी

❑धामी ने राजपुर, पुरोला व थराली में किया प्रचार
❑हल्द्वानी में खट्टर व डोईवाला में कौशिक ने संभाली कमान

को रोजगार देने की। उन्होंने कहा कि गैस सिलेंडर की कीमत 500 से कम करने की बात करने वाली कांग्रेस की जिन राज्यों में सरकारें हैं उनमें उसने ऐसा क्यों नहीं किया। राजस्थान और पंजाब में उनकी सरकार है वहां कांग्रेस वह सब कुछ क्यों नहीं कर सकी जो यहां करने की बात कर रही है। क्या वहां बेरोजगारी खत्म हो गई, क्या वहां महंगाई नहीं है? उन्होंने कहा कि कांग्रेस के पास विकास का कोई एजेंडा नहीं है। कांग्रेस के सभी एजेंडे काल्पनिक और हवा हवाई है। चुनाव के बाद न कांग्रेस कहीं दिखाई देगी और न उसके एजेंडे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि भाजपा सरकार ने केंद्र की मोदी सरकार के सहयोग से राज्य में जो विकास कार्य किए हुए हैं वह सब प्रदेश की जनता देख रही है। सीएम ने कहा कि कांग्रेस को राज्य की सड़को पर खड्डे ही खड्डे दिखाई देते हैं उन्होंने कहा कि देहरादून से लेकर खटीमा तक कहीं कोई खड्डा नहीं है। उन्होंने कहा कि प्रदेश की जनता भाजपा के साथ है और वह एक बार फिर राज्य में भाजपा की पूर्ण बहुमत वाली सरकार बनाने जा रही है।

◀◀ शेष पृष्ठ 7 पर

प्रियंका गांधी 2 फरवरी को करेगी चुनावी जनसभा व वर्चुअल रैली

संवाददाता

देहरादून। उत्तराखण्ड विधानसभा चुनाव के मद्देनजर कांग्रेस पार्टी की राष्ट्रीय महासचिव एवं स्टार प्रचारक प्रियंका गांधी कल 2 फरवरी को देहरादून में कैनाल रोड़ पर स्थित लग्जूरिया फार्म में पार्टी प्रत्याशियों के पक्ष में चुनावी जनसभा एवं वर्चुवल रैली को संबोधित करेंगी।

इस बात की जानकारी देते हुए प्रदेश कांग्रेस मीडिया प्रभारी राजीव महर्षि ने बताया कि प्रियंका गांधी विधानसभा चुनावों के लिए पार्टी के अधिकृत प्रत्याशियों के चुनाव प्रचार के तहत कल देहरादून के कैनाल रोड़ स्थित लग्जूरिया फार्म में जनसभा एवं वर्चुअल रैली को संबोधित करने के साथ ही कांग्रेस पार्टी का विधानसभा चुनाव 2022 के लिए जारी 'उत्तराखण्डियत स्वाभिमान प्रतिज्ञा पत्र' भी जारी करेंगी।

राजीव महर्षि ने बताया कि प्रियंका गांधी चुनावी रैली के साथ प्रदेश के सभी विधानसभा क्षेत्रों में एक साथ वर्चुअल रैली को संबोधित करेंगी। उन्होंने कहा कि 'उत्तराखण्डियत स्वाभिमान प्रतिज्ञा पत्र' के माध्यम से कांग्रेस पार्टी द्वारा सरकार बनने पर किये जाने वाले कार्यों का ब्यौरा जनता के सम्मुख रखा जायेगा।

कांग्रेस ने बजट को देश के वेतनधारी और मध्यम वर्ग के साथ धोखा करार दिया

नई दिल्ली। केंद्र सरकार के वित्त वर्ष २०२२–२३ के लिए बजट को कांग्रेस ने देश के वेतन आधारित और मध्य वर्ग के साथ धोखा करार दिया है। इसके साथ ही पर्यावरण को लेकर सरकार की नीति की भी आलोचना की है। कांग्रेस पार्टी के मुख्य प्रवक्ता रणदीप सिंह सुरजेवाला ने कहा कि महामारी के समय में भारत का वेतनधारी और मध्यम वर्ग राहत की उम्मीद कर रहा था। उसे उम्मीद थी कि करों की दरों में कटौती होगी और महंगाई से राहत मिलेगी। लेकिन वित्त मंत्री और प्रधानमंत्री ने एक बार फिर से प्रत्यक्ष कर दाताओं को निराश किया है। यह भारत के वेतनधारी और मध्यम वर्ग के साथ धोखा है। बता दें कि, आज वित्त वर्ष २०२२–२३ के लिए बजट पेश करते हुए सीतारमण ने प्रत्यक्ष कर की दरों में कोई बदलाव नहीं किया है जबकि महामारी के दौरान आर्थिक संकट से जूझ रहा मध्यम वर्ग इसकी उम्मीद कर रहा था। वहीं, कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने कहा कि एक तरफ बजट जलवायु को लेकर काम करने और पर्यावरण की रक्षा की बात करता है। दूसरी ओर, यह पारिस्थितिक रूप से विनाशकारी नदी–जोड़ने वाली परियोजनाओं को आगे बढ़ाता है। बयानबाजी अच्छी लगती है। लेकिन कार्रवाई ज्यादा मायने रखती है। उस मोर्चे पर, मोदी सरकार विनाशकारी रास्ते पर है। बता दें कि, आज वित्त वर्ष २०२२–२३ के लिए बजट पेश करते हुए सीतारमण ने प्रत्यक्ष कर की दरों में कोई बदलाव नहीं किया है जबकि महामारी के दौरान आर्थिक संकट से जूझ रहा मध्यम वर्ग इसकी उम्मीद कर रहा था।

देश में पिछले 24 घंटे में मिले कोरोना के 2 लाख से कम नए मामले, 254076 लोग हुए ठीक

नई दिल्ली। भारत में कोरोना संक्रमण के मामलों में तेजी से गिरावट जारी है। पिछले २४ घंटे में देश में २ लाख से भी कम नए केस सामने आए हैं। स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से मंगलवार सुबह जारी अपडेट के अनुसार देश में १६७०५६ नए मामले मिले हैं।वहीं २५४०७६ लोग बीमारी से ठीक भी हुए हैं। मंत्रालय के अनुसार पिछले २४ घंटे में कोरोना से हालांकि ११६२ और मौतें दर्ज की गई है। ऐसे में देश में कोरोना से मरने वालों का आंकड़ा बढ़कर ४ लाख ६६ हजार २४२ पहुंच गया है।

इस बीच राहत की बात ये है कि एक्टिव मरीजों की संख्या में ८८२०६ की कमी आई है। ऐसे में अभी देश में

सक्रिय मामले १८ लाख से कम होकर १७ लाख ४३ हजार ५६ रह गए हैं।

कोरोना के नए मामलों में करीब २० प्रतिशत की गिरावट के साथ दैनिक संक्रमण दर भी तेजी से नीचे गिरा है। मौजूदा आंकड़े के अनुसार ये ११.६६ प्रतिशत है जबकि कल ये १५.७ प्रतिशत था। साप्ताहिक संक्रमण दर अभी १५.२५ प्रतिशत है।

स्वास्थ्य मंत्रालय के मुताबिक देश में कोरोना वैक्सीन की १६६ करोड़ से ज्यादा डोज लगाई जा चुकी है। इसमें कल सोमवार को ६१ लाख ४५ हजार ७६७ डोज लगाई गई। वहीं पिछले २४ घंटे में १४ लाख २८ हजार ६७२ कोरोना सैंपल की जांच भी की गई है।

भारत में पिछले २४ घंटे में सबसे अधिक कोरोना मामले केरल से आए हैं। यहां सोमवार को ४२१५४ केस मिले। बीते कुछ दिनों से राज्य में संक्रमण के ५० हजार से ज्यादा दैनिक मामले सामने आ रहे थे। इसके अलावा कर्नाटक से २४१७२ केस सामने आए। तमिलनाडु से १६२८० मामले, महाराष्ट्र से १५१४० केस और मध्य प्रदेश से ८०६२ कोरोना केस पिछले २४ घंटे में सामने आए।

दून वैली मेल

संपादकीय

इस बार आसान नहीं चुनावी डगर

उत्तराखंड विधानसभा की 70 सीटों पर हो रहे विधानसभा चुनाव की अब तस्वीर काफी हद तक साफ हो चुकी है। इस बार चुनाव में कुल 632 प्रत्याशी चुनाव मैदान में हैं। जो अब तक हुए चार विधानसभा चुनावों की तुलना में सबसे कम है। खास बात यह है कि इस बार महिला प्रत्याशियों की संख्या में भी कमी देखी गई है, एक अन्य दिलचस्प बात यह है कि इस बार 136 निर्दलीय प्रत्याशी चुनाव मैदान में हैं। इस चुनाव में आम आदमी पार्टी की सक्रियता तथा भाजपा और कांग्रेस के बागियों के चुनाव मैदान में डटे रहने के कारण वर्तमान विधानसभा चुनाव अत्यंत ही रोमांचक दौर में पहुंच चुका है। इस चुनाव में भाजपा के बागियों ने अपनी ही पार्टी प्रत्याशी के खिलाफ चुनाव मैदान में ताल ठोक कर भाजपा के लिए गंभीर चुनौती पेश कर दी है। सूबे की 12 सीटों पर भाजपा की जीत में यह निर्दलीय एक बड़ा रोड़ा बन सकते हैं। इनमें 8-10 सीटों के चुनाव परिणाम प्रभावित करने का दमखम यह बागी प्रत्याशी रखते हैं। भाजपा भले ही अब की बार 60 पार का नारा लगा रही हो लेकिन इन बागियों की चुनौती ने उसकी 10 सीटें तो पहले ही कम कर दी हैं। 70 में से 60 सीटों पर ही वह ऐसे चुनाव लड़ रही है। ठीक वैसे ही कांग्रेस 5-7 सीटों पर बागियों की चुनौती से जूझ रही है। जिसने चुनाव के सबसे बड़े चेहरे हरीश रावत की जीत तक को संदिग्ध बना दिया है। भले ही चुनावी पंडित यह मान कर चल रहे हो कि आम आदमी पार्टी को उत्तराखंड में कुछ भी मिलने वाला नहीं है लेकिन आप के प्रत्याशियों को हर सीट पर मिलने वाले वोट दर्जनों सीटों के चुनाव परिणामों को बदल सकते हैं तो वहीं आम आदमी पार्टी दो-चार सीटें अगर जीत जाती है तो यह कोई भी आश्चर्य की बात नहीं होगी। उत्तराखंड का वर्तमान चुनाव जिन स्थितियों और परिस्थितियों में हो रहा है उसका प्रभाव भी चुनाव पर पड़ना तय है। कोविड के कारण राज्य में चुनावी रैलियों, रोड शो आदि पर जिस तरह पाबंदिया इस बार रही है वैसा पहले कभी नहीं हुआ है। चुनावी कोलाहल से दूर रहने वाली इस चुनाव में इस बार डोर टू डोर और डिजिटल चुनाव प्रचार के कारण भाजपा को इसका नुकसान सबसे अधिक हो सकता है। क्योंकि सामान्य स्थिति में होने वाले चुनाव प्रचार में कांग्रेस सहित कोई भी पार्टी उसका मुकाबला नहीं कर सकती थी। अन्य किसी दल के पास वैसे बेहतर संसाधन भी नहीं है। राज्य में 14 फरवरी को मतदान होना है चुनाव आयोग ने अभी 11 फरवरी तक बड़ी रैलियों और जनसभाओं तथा रोड शो पर रोक लगा रखी है ऐसे में अगर यह रोक और आगे भी नहीं बड़ी तब भी राजनीतिक दलों को सिर्फ एक ही दिन खुला चुनाव प्रचार करने का मौका मिल सकेगा जिस में बहुत कुछ नहीं हो सकता। इन तमाम विसंगतियों के बीच होने वाले इस चुनाव में बाजी किसके हाथ लगती है इसकी कोई भविष्यवाणी किया जाना संभव नहीं है क्योंकि इस बार मुकाबला नेक टू नेक रहने वाला है, 2017 के जैसा नहीं रह सकता है। इस चुनाव में बागियों और भीतरघातियों का भी गंभीर प्रभाव रहेगा यह तय हो चुका है।

भाजपा और कांग्रेस प्रत्याशी ने मांगे अपने-अपने पक्ष में वोट

नई टिहरी। विधान सभा चुनाव के मद्देनजर देवप्रयाग सीट से भाजपा प्रत्याशी व विधायक विनोद कंडारी ने देवप्रयाग के निकटवर्ती गांवों में डोर टू डोर सम्पर्क कर वोट मांगे। दूसरी ओर कांग्रेस प्रत्याशी व पूर्व कैबिनेट मंत्री, मंत्री प्रसाद नैथानी ने देवप्रयाग नगर क्षेत्र में जनसंपर्क कर वोट मांगे। दोनों प्रत्याशियों ने क्षेत्र की कई योजनाओं को अपने कार्यकाल की उपलब्धियों में गिनाया।

भाजपा प्रत्याशी विनोद कंडारी ने कोटी, भटकोट, तुनगी, सजवान कांडा, जाली कांडा, बदरूगांव, धौडाधार, मुनेठ, पालीसैन, बागी, रामपुर–श्यामपुर आदि क्षेत्रों का भ्रमण कर केंद्र और राज्य सरकार की योजनाओं के साथ–साथ अपनी उपलब्धियां भी गिनाई। कहा सीएचसी बागी को पीपी मोड देने से वहां सुविधाएं बढ़ी हैं, तहसील भवन निर्माण, टोडेश्वेर पुल, बदरु गांव तक सड़क निर्माण, सजवान कांडा सड़क डामारीकरण आदि कार्यों को अपनी उपलब्धि बताया। भ्रमण में विधान सभा सह संयोजक सुधीर मिश्रा, मंडल अध्यक्ष अशोक तिवारी, भाजयूमो अध्यक्ष सौरभ सिधी, सुनील रावत, ममता देवी, सरिता कर्नाटक, रजनी सायना,अनिता भट्ट, शशि ध्यानी,प्रकाश भट्ट, सुरेश मिश्रा, अतुल जोशी, दिनेश बिष्ट आदि थे।

वहीं कांग्रेस प्रत्याशी मंत्री प्रसाद नैथानी ने नगर की दलित बस्तियों कृष्ण चौरी, धर्मपुर, वाल्मीकि बस्ती सहित बाह बाजार, मेन मार्केट, मंदिर मोहल्ला,शांति बाजार आदि में सम्पर्क अपने लिये वोट मांगे। उन्होंने देवप्रयाग नंप को नगरपालिका का दर्जा दिलाने , राष्ट्रीय संस्कृत केंद्रीय विवि परिसर, नगर में नई पेयजल योजना आदि को अपनी उपलब्धियों में गिनाया। मौके पर कांगेस नगरध्यक्ष त्रिवेंद्र रावत, जिला उपाध्यक्ष नंदन टोडरिया, सह सचिव राकेश पंचभैया, महिला प्रकोष्ठ अध्यक्ष अनुसूया मिश्रा, शुभम, माया, शीला आदि साथ थे।

गुणवत्ता की मुफ्त शिक्षा का वादा करें दल

भरत झुनझुनवाला

चुनाव के इस माहौल में मुफ्त बांटने के वादे करने की होड़ मची हुई है। कोई साड़ी बांटता है, कोई साइकिल, कोई लैपटॉप और कोई मुफ्त में बस यात्रा। यहां तक कि कहीं तो शराब भी मुफ्त बांटने की बात की जा रही है। कुछ मतदाता मानते हैं कि कम से कम जनता को 5 साल में एक बार ही सही, कुछ तो हासिल हो। सरकार ने नोटबंदी और जीएसटी जैसी नीतियां लागू कर जनता के रोजगार और धंधे को पस्त कर दिया है इसलिए मुफ्त में जो मिले कुछ लोग उसका स्वागत करते हैं। लेकिन विचारणीय यह है कि मुफ्त क्या बांटा जाए? ऐसे में यदि सच्ची अंग्रेजी शिक्षा को ही मुफ्त बांट दीजिए तो जनता भी सुखी हो जाएगी और पार्टी को संभवतः जीत भी हासिल हो जाए? कहावत है कि किसी व्यक्ति को मछली देने के स्थान पर मछली पकड़ना सिखाना ज्यादा उत्तम है क्योंकि यदि मछली पकड़ना सीख लेगा तो वह आजीवन अपनी आय अर्जित कर सकता है। इसी प्रकार यदि हम युवाओं को मुफ्त साइकिल और लैपटॉप वितरित करने के स्थान पर यदि मुफ्त अंग्रेजी शिक्षा दें तो वे साइकिल और लैपटॉप स्वयं खरीद लेंगे और आजीवन अपनी जीविका भी चला सकेंगे।

जनता में अंग्रेजी शिक्षा की गहरी मांग है। शहरों में घरों में काम करने वाली सहायिकाओं द्वारा भी अपने बच्चों को 1,500 से 2,000 रुपए प्रतिमाह की फीस देकर अच्छी अंग्रेजी के लिए प्राइवेट स्कूल में भेजने का प्रयास किया जाता है। वे अपनी आय का लगभग तिहाई हिस्सा बच्चों की फीस देने में व्यय कर देती हैं। इससे प्रमाणित होता है कि शिक्षा की मांग है लेकिन अच्छी शिक्षा खरीदने की उनकी क्षमता नहीं है। दिल्ली की आप सरकार ने सरकारी शिक्षा में महत्वपूर्ण सुधार किए हैं लेकिन इसके बावजूद सरकारी विद्यालयों के हाई स्कूल में 72 प्रतिशत विद्यार्थी उत्तीर्ण हुए जबकि प्राइवेट स्कूलों में 93 प्रतिशत विद्यार्थी उत्तीर्ण हुए। दूसरे राज्यों में सरकारी विद्यालयों की स्थिति बहुत अधिक दुरूह है जबकि इन पर सरकार द्वारा भारी खर्च किया जा रहा है।

वर्ष 2016-17 में उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा सरकारी प्राथमिक एवं माध्यमिक विद्यालयों में प्रति छात्र 25,000 रुपये प्रतिवर्ष खर्च किए जा रहे थे। वर्तमान वर्ष 2021-22 में यह रकम लगभग 30,000 रुपये हो गई होगी। इसमें भी सरकारी विद्यालयों में तमाम दाखिले फर्जी किए जा रहे हैं। बिहार के एक अध्ययन में 9 जिलों में 4.3 लाख फर्जी विद्यार्थी सरकारी विद्यालयों में पाए गए। इन फर्जी दाखिलों को दिखाकर स्कूल के कर्मचारी मध्यान्ह भोजन और यूनिफॉर्म इत्यादि की रकम को हड़प जाते हैं। किसी अन्य आकलन के अभाव में हम मान सकते हैं कि 20 प्रतिशत विद्यार्थी फर्जी दाखिले के माध्यम से दिखाए जाते होंगे। इन्हें काट दें तो उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा प्रति सच्चे विद्यार्थी पर 37,000 रुपये प्रति वर्ष खर्च किया जा रहा है। नेशनल सैंपल सर्वे के अनुसार, लगभग 60 प्रतिशत बच्चे वर्तमान में सरकारी विद्यालयों में जा रहे हैं। अतः यदि इस 37,000 रुपये प्रति सच्चे छात्र की रकम को प्रदेश के सभी छात्रों यानी सरकारी एवं प्राइवेट स्कूल दोनों में पढ़ने वाले छात्रों में वितरित किया जाए तो प्रत्येक छात्र पर उत्तर प्रदेश सरकार लगभग 20,000 रुपये प्रति वर्ष खर्च रही है।

चुनाव के समय पार्टियां वादा कर सकती हैं कि इस 20,000 रुपये की रकम में से 12,000 रुपये प्रदेश के सभी छात्रों को मुफ्त वाउचर के रूप में दे दिये जाएंगे। इस वाउचर के माध्यम से वे अपने मनचाहे विद्यालय में फीस अदा कर सकेंगे। यह 12,000 रुपये प्रति वर्ष प्रति छात्र सरकारी शिक्षकों के वेतन में से सीधे कटौती करके किया जा सकता है। लेकिन इसका अर्थ यह नहीं कि सरकारी अध्यापकों का वेतन वास्तव में कम हो जाएगा। वे अपने विद्यालय को आकर्षक बना कर पर्याप्त संख्या में छात्रों को आकर्षित करेंगे तो वे अपने वेतन में हुई इस कटौती की भरपाई वाउचर से मिली रकम से कर सकते हैं। जैसे वर्तमान में तमाम विश्वविद्यालयों में सेल्फ फाइनेंसिंग कोर्स चलाए जा रहे हैं। इन कोर्सों में छात्र द्वारा भारी फीस दी जाती है, जिससे पढ़ाने वाले अध्यापकों के वेतन का पेमेंट किया जाता है। इसी तर्ज पर सरकारी प्राथमिक एवं माध्यमिक विद्यालयों के शिक्षक, छात्रों को आकर्षित कर उनके वाउचर हासिल कर अपने वेतन की भरपाई कर सकते हैं।

ऐसा करने से सरकारी तथा निजी दोनों प्रकार के विद्यालयों को लाभ होगा। सरकारी विद्यालयों के लिए अनिवार्य हो जाएगा कि वे अपनी शिक्षा की गुणवत्ता बढ़ाएं, जिससे कि वे पर्याप्त संख्या में छात्रों को आकर्षित कर सकें, उनके वाउचर हासिल कर सकें और अपने वेतन में हुई कटौती की भरपाई कर सकें। प्राइवेट विद्यालयों के लिए भी यह लाभप्रद हो जाएगा क्योंकि उनमें दाखिला लेने वाले छात्र 1,000 रुपये प्रति माह की फीस इन वाउचरों के माध्यम से कर सकते हैं और शेष फीस वह अपनी आय से दे सकते हैं। जो सहायिका अपने 6,000 रुपये के मासिक वेतन में से वर्तमान में 1,500 रुपये अंग्रेजी स्कूल में बच्चे की फीस अदा करने के लिए कर रही है उसे अपनी कमाई में से केवल 500 रुपये ही देने होंगे। जिस प्राइवेट विद्यालय द्वारा आज 600 रुपये प्रति माह फीस के रूप में लिए जा रहे हैं उसे वाउचर के माध्यम से 1,000 रुपये मिल जायेंगे और कुल 1,600 रुपये की रकम से वे अच्छे अध्यापक की नियुक्ति कर सकेंगे। प्राइवेट विद्यालयों की गुणवत्ता में भी सुधार होगा।

वर्तमान समय में रोबोट और बड़ी कंपनियों द्वारा सस्ते माल का उत्पादन किए जाने से आम आदमी के रोजगार का भारी हनन हो रहा है। इसके सतत जारी रहने का अनुमान है। इसलिए आम आदमी की जीविका को आगे आने वाले समय में बनाए रखने के लिए जरूरी है कि वह अंग्रेजी शिक्षा प्राप्त करें, जिससे इंटरनेट आदि के माध्यम से वे सॉफ्टवेयर, संगीत, अनुवाद इत्यादि सेवाओं की बिक्री कर सकें और अपनी जीविका चला सकें। वर्तमान चुनाव के माहौल में पार्टियों को चाहिए कि साड़ी, साइकिल और लैपटॉप बांटने के वादों के स्थान पर सच्ची शिक्षा को मुफ्त बांटने पर विचार करें, जिससे उन्हें चुनाव में जीत हासिल हो और सरकार पर आर्थिक बोझ भी न पड़े। वहीं जनता को आने वाले समय में और रोजगार भी उपलब्ध हो जाए।

लेखक आर्थिक मामलों के जानकार हैं।

एवा पाहि प्रत्नथा मन्दतु त्वा श्रुधि ब्रह्म वावृधस्वोत गीर्भिः।
आविः सूर्यं कृणुहि पीपिहीषो जहि शत्रूँरभि गा इन्द्र तृन्धि।।

(ऋग्वेद ६-१७-३)

हे मनुष्य ! वैदिक ज्ञान की रक्षा कर और इसका प्रसार कर। जिस प्रकार सूर्य के प्रकाश से अंधकार भागता है उसी प्रकार तुम्हारी अज्ञानता का अंधकार ज्ञान के प्रकाश से भागेगा। अपना उत्तम पोषण कर। द्वेष को समाप्त कर। अपनी इंद्रियों को विलासिता की बेड़ियों से मुक्त कर।

O man ! Protect and promote the Vedic knowledge. Just as darkness runs away from the light of the sun, similarly, the darkness of your ignorance will run away from the light of knowledge. Take good care of yourself through nourishment. Put an end to the hatred. Free your Indriyan (senses) from the shackles of lust. (Rig Veda 6-17-3)

भारतीय मछुआरों के हत्यारे नौसैनिकों के खिलाफ इटली की अदालत ने केस खारिज किया

रोम। साल २०१२ में केरल में दो भारतीय मछुआरों की हत्या करने वाले इटली के दो नौसैनिकों के खिलाफ हत्या की जांच को रोम की अदालत ने सोमवार को खारिज कर दिया। एक बयान में इटली के रक्षा मंत्री लोरेंजो गुएरिनी ने सल्वाटोर गिरोन और मासिमिलियानो लातोरे के लिए इस सकारात्मक नतीजे का स्वागत किया। पिछले महीने सरकारी वकीलों ने अपने एक आकलन में पाया था कि दोनों नौसैनिकों के खिलाफ सुनवाई के लिए पर्याप्त सबूत नहीं थे, जिसके बाद अदालत इस नतीजे पर पहुंची है। गुएरिनी ने कहा कि यह एक साल की लंबी चली कार्रवाई को समाप्त करता है जिसके दौरान रक्षा मंत्रालय ने कभी भी दो नौसैनिकों और उनके परिवारों को अकेला नहीं छोड़ा। गिरोने और लातोरे ने समुद्री डकैती रोधी मिशन के हिस्से के रूप में एक इतालवी तेल टैंकर की रक्षा करते हुए फरवरी २०१२ में दक्षिणी भारतीय तट पर निहत्थे मछुआरों की गोली मारकर हत्या कर दी थी। इस मामले में चली कानूनी कार्रवाई के कारण लगभग एक दशक तक इटली और भारत के बीच संबंधों में उतार–चढ़ाव आया और आखिरकार भारत ने अप्रैल २०२१ में १० करोड़ रुपये के मुआवजे के प्रस्ताव को स्वीकार कर लिया था। जून में मामले को खारिज करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने फैसला सुनाया था कि प्रत्येक परिवार को ४ करोड़ रुपये दिए जाएंगे और शेष २ करोड़ रुपये मछुआरों द्वारा इस्तेमाल की जाने वाली नाव के मालिक को दिए जाएंगे। लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि इतालवी सरकार को अपने अधिकार क्षेत्र में आने वाले दो नौसैनिकों के खिलाफ तुरंत आपराधिक कार्यवाही शुरू करनी चाहिए और भारतीय अधिकारी मामले में सबूत मुहैया कराएंगे।

किसानों ने केंद्र पर लगाया विश्वासघात का आरोप

काशीपुर (आरएनएस)। संयुक्त किसान मोर्चा ने केंद्र और राज्य सरकार पर विश्वासघात करने का आरोप लगाया है। किसानों ने राष्ट्रपति को संबोधित ज्ञापन एसडीएम को सौंपकर आंदोलन के दौरान किसानों पर दर्ज मुकदमें वापस लेने और अन्य समझौते की शर्तों को पूरा करने की मांग की। सोमवार को भाकियू युवा के प्रदेश अध्यक्ष जितेंद्र सिंह जीतू की अगुवाई में किसानों ने विश्वासघात दिवस मनाया। साथ ही राष्ट्रपति को संबोधित ज्ञापन एसडीएम अभय प्रताप सिंह को सौंपा। कहा किसानों ने केंद्र सरकार के किसान विरोधी कानून को रद्द करने, न्यूनतम समर्थन मूल्य की कानूनी गारंटी हासिल करने व अन्य किसान विरोधी नीतियों के खिलाफ आंदोलन चलाया था। आंदोलन के चलते तीन किसान विरोधी कानूनों को रद्द किया गया। नौ दिसंबर २०२१ को कुछ मुद्दों पर सरकार द्वारा आश्वासन देकर आंदोलन वापस लेने का आग्रह किया। इस पर भरोसा कर किसानों ने ११ दिसंबर को आंदोलन समाप्त करने का निर्णय लिया। सरकार ने दिये गये आश्वासनों पर कोई कार्रवाई नहीं की। उन्होंने आंदोलन के दौरान किसानों पर दर्ज मुकदमे वापस लेने और अन्य समझौतों का पालन करने की मांग की।

अघोषित बिजली कटौती से लोग परेशान

बागेश्वर। नगर क्षेत्र में इन दिनों बिजली की अघोषित कटौती से उपभोक्ता परेशान हो गए हैं। सोमवार को कठायतबाड़ा क्षेत्र में पांच घंटे आपूर्ति ठप रही। जिससे उपभोक्ताओं में आक्रोश है। उन्होंने ऊर्जा निगम से सेवा सुचारू करने की मांग की है। ऐसा नहीं होने पर उग्र आंदोलन करने की चेतावनी दी है। शहर में पिछले एक सप्ताह से बिजली की अघोषित कटौती हो रही है। छोटे से फॉल्ट को खोजने में ऊर्जा निगम के ठेकेदार घंटों समय बर्बाद कर रहे हैं। जिसके कारण उपभोक्ताओं की परेशानी बढ़ गई है। सोमवार को भी कठायतबाड़ा, दांगण आदि क्षेत्रों में पूरे पांच घंटे तक आपूर्ति ठप रही। उपभोक्ता गीता जोशी, चंपा देवी, शिव दत्त पांडे, ईश्वर दत्त पांडे, चंद्रदत्त पांडे आदि ने बताया कि नगर क्षेत्र में अधिकतर लोग कामकाजी है।

जंगली सूअर के हमले में महिला घायल

रुद्रप्रयाग (आरएनएस)। जिले के मुसाढुंग गांव में एक महिला पर खेत में काम करते वक्त जंगली सूअर ने हमला कर घायल कर दिया। महिला के पिछले हिस्से पर सूअर ने गहरे जख्म किए हैं। ग्रामीणों ने महिला को उपचार के लिए सीएचसी अगस्त्यमुनि में भर्ती कराया है, जहां उसका उपचार चल रहा है। जानकारी के मुताबिक सोमवार सुबह जखोली ब्लॉक के मुसाढुंग निवासी ६६ वर्षीय इन्द्रादेई देवी पत्नी हरि सिंह अपने गांव के करीब खेत में काम कर रही थी। इस बीच जंगली सूअर ने महिला पर हमला कर उसे गंभीर घायल कर दिया। महिला की चिल्लाने की आवाज सुनने के बाद लोग मौके पर पहुंचे तो महिला के शरीर से खून बह रहा था। जिसके बाद उसे निजी मदद से सीएचसी अगस्त्यमुनि पहुंचाया गया। डॉक्टर द्वारा यहां महिला का उपचार किया जा रहा है। सामाजिक कार्यकर्ता नरेश भट्ट ने बताया कि गांव में लोगों में जंगली सूअर के हमले का खौफ बना है। लोगों की सुरक्षा के लिए वन विभाग कतई गंभीर नहीं है। उन्होंने कहा कि इस घटना में भी वन विभाग को महिला का हाल चाल पूछने आना चाहिए था और गांव में लोगों की सुरक्षा के इंतजाम करने चाहिए थे किंतु विभाग को इस घटना से कोई लेना देना नहीं है, जिससे लोगों में रोष है।

कूड़ा निस्तारण जोन बनाने का विरोध

बागेश्वर (आरएनएस)। रियूनी लखमारा के पनियागाड़ तोक के पास कानी गधेरे में कूड़ा निस्तारण जोन बनने की सुगबुगाहट से ग्रामीण भड़क गए। नाराज ग्रामीणों ने इसके विरोध में जिला मुख्यालय में प्रदर्शन किया। चेतावनी दी कि यदि उनकी मांगों को दरकिनार किया गया तो विधानसभा चुनाव के बाद बड़ा आंदोलन किया जाएगा। इसकी जिम्मेदारी प्रशासन की होगी। ग्राम प्रधान रियूनी लखमारा के ग्राम प्रधान कैलाश राम के नेतृतव में ग्रामीण सोमवार को जिला मुख्यालय पहुंचे। यहां नारेबाजी के साथ उन्होंने प्रदर्शन किया। यहां उन्होंने जिलाधिकारी के नाम संबोधित ज्ञापन कार्यालय में सौंपा। ज्ञापन में ग्रामीणों का कहना है कि उन्हें विश्वस्त सूत्रों से जानकारी मिली है कि उनकी ग्राम सभा के पनियागाड़ तोक के पास कानी गधेरे में शासन–प्रशासन द्वारा कूड़ा निस्तारण केंद्र बनाने का प्रस्ताव पास किया है। बगैर जनप्रतनिधियों और क्षेत्र के लोगों को विश्वास में लिया गया निर्णय है। बगैर ग्रामीणों की मर्जी से गांव में इस तरह का प्रस्ताव कतई पास नहीं होने दिया जाएगा। इसकी सूचना पहले भी वह एसडीएम गरुड़ को दे चुके हैं। उनके गांव के अलावा क्योटिया, भागचौरी, जैंसर, टुकुरा आदि गांव भी इसके विरोध में खड़े हैं। जल्द समस्या का समाधान नहीं हुआ तो आंदोलन तेज किया जाएगा। इसकी सारी जिम्मेदारी प्रशासन की होगी।

उत्तराखण्ड पुलिसः 'चलने दो यार' की तर्ज पर हो रहा है काम ?

संवाददाता

देहरादून। पुलिस आज भी अपने पुराने ढर्रे पर चल रही है। यहां तो बस 'चलने दो यार' की तर्ज पर ही काम हो रहे हैं।

राज्य निर्माण के बाद प्रदेश की जनता ने शासन प्रशासन व सरकार से काफी उम्मीदें लगायी थी कि अब प्रदेश में कुछ बदलाव आयेगा। यहां के शासन प्रशासन के साथ ही पुलिस विभाग की कार्यशैली बदलेगी तथा जनता को कुछ राहत मिलेगी। साल दर साल गुजरते गये लेकिन ना तो पुलिस की कोई कार्यशैली में बदलाव आया और ना ही उनमें बदलाव लाने की कोई मंशा दिखायी दी। बस एक चीज जरूर हुई है कि अगर कहीं पर कोई घटना घट जाती है और वहां पर मोबाइल का प्रयोग हुआ या फिर घटना में बदमाश किसी का मोबाइल लेकर चले गये तो उम्मीद की जाती है कि घटना का खुलासा कभी ना कभी हो ही जायेगा। इसके साथ ही अब सीसीटीवी कैमरे पुलिस की ईज्जत बचा रहे हैं। लेकिन पुलिस विभाग कोई नयी उपलब्धि दर्ज करा रही हो ऐसा कुछ देखने को नहीं मिलता है।

आज भी इनके खुलासों को देखा जाये तो वाहन चोर आज भी चोरी किये गये दर्जनों वाहनों को झाडियों में छुपाकर रख रहे हैं तो वहीं आज भी सट्टोरिया कापी पैन का ही प्रयोग कर रहे हैं। जोकि अपने आपमें काफी हास्यपद लगता है। यही नहीं बदमाश अधिकांश आईएसबीटी के पास ही खडे होकर भागने की तैयारी में लगा होता है। यह सब पुलिस के खुलासों में दिखायी देता है। पुलिस अधिकारी भी कभी अपने अधिनस्थों को कोई नया व अच्छा करने के लिए प्रोत्साहित नहीं करते हैं। बस वही पुराना ढर्रा चला आ रहा है। यहीं नहीं यहां की कोतवालियों के अधिनस्थ चौकियों पर भी कोतवाली की जगह थाना लिखा दिखायी देता है। लेकिन उसको सुधारने के लिए कोई तैयार नहीं है। यही नहीं चोरी की घटनाओं को छुपाने में यहां पुलिस को महारथ हासिल है। वाहन चोरी की घटनाओं को जब चोर पकड लिया जाता है और उसके कब्जे से वाहन बरामद हो जाते है तब एक साथ कई थानों में वाहन चोरी के मुकदमें दर्ज कर लिये जाते है और उससे पहले पीडित थानों के चक्कर काटते हुए थक जाता है। जबकि पुलिस अधिकारी यह दावा करते है कि उनके द्वारा सख्त आदेश किये गये है कि पीडित की पहले सुनवायी हो तथा तत्काल मुकदमा दर्ज किया जाये। लेकिन वाहन चोर के पकडे जाने के बाद एक साथ कई थानों में वाहन चोरी के मुकदमें दर्ज किये जाते है तो वह अधिकारी को नहीं दिखायी देता कि एक दिन में इतने वाहन चोरी हुए और एक दिन में चोर भी पकड लिया गया। लेकिन कोई भी इस ढर्रे को सुधारने की चिन्ता में नहीं दिखायी देता है। यहां तो बस चलने दो यार की तर्ज पर ही काम हो रहा है। जिसमें सुधार लाना जरूरी है।

दिव्यांग क्रिकेट एसोसिएशन उत्तराखण्ड में शामिल हुए पटवाल

संवाददाता

देहरादून। दिव्यांग क्रिकेट एसोसिएशन उत्तराखंड में पूर्व भारतीय अंतरराष्ट्रीय दिव्यांग क्रिकेटर मानवेंद्र पटवाल को शामिल किया गया है।

एसोसिएशन के अध्यक्ष तारा सिंह द्वारा बताया गया कि हमारी एसोसिएशन के दिव्यांगों के क्रिकेट के सफलतापूर्वक आयोजनों के क्रम से प्रभावित होकर पूर्व भारतीय अंतरराष्ट्रीय नेत्रहीन दिव्यांग क्रिकेटर एवं राष्ट्रपति पदक विजेता मानवेंद्र पटवाल को जनरल सेक्रेटरी के रूप में चुना गया है। जो बहुत ही हर्ष का विषय है एवं जल्द ही फरवरी माह में हिमाचल,चंडीगढ़, उत्तराखंड की 3 स्टैंडिंग दिव्यांग क्रिकेटर टीमों के बीच टी-20 मैचों का आयोजन होने जा रहा है जिसके लिए उत्तराखंड राज्य की टीम की घोषणा जल्द की जाएगी।

कस्टम अधिकारी बनकर ठगे सात लाख

देहरादून (संवाददाता)। कस्टम अधिकारी बनकर गिफ्ट का लालच देकर सात लाख रूपये ठग लिये। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार सोसायटी एरिया क्लेमनटाउन निवासी शमा बिष्ट ने पटेलनगर कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसके फोन पर एक कॉल आयी और कॉल करने वाले ने अपने आप को कस्टम अधिकारी बताया तथा उससे कहा कि उसका विदेश से गिफ्ट आ रखा है। जिसकी कस्टम डयूटी के रूप में खाते में रूपये जमा करवाने होगे। जिसके बाद उक्त फोनकर्ता के बताये खाता संख्या में उसने भिन्न तिथियों में लगभग सात लाख 24 हजार रूपये जमा करवाये लेकिन उसके बाद उक्त नम्बर बन्द हो गया। जिसके बाद उसको पता चला कि उसके साथ ठगी हुई है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

जमीन के नाम पर सेना के हवलदार से लाखों की ठगी

देहरादून (संवाददाता)। सेना के हवलदार से जमीन के नाम पर लाखों की ठगी के मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार आईएमए के सशस्त्र प्रशिक्षण शाखा के हवलदार हरीश चन्द ने कैण्ट कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसकी मुलाकात बिन्दूवाला कैण्ट निवासी रामनरेश नौटियाल पुत्र रामकृष्ण नौटियाल से हुई। रामनरेश नौटियाल ने उसको क्षेत्र में एक जमीन दिखायी जमीन पसंद आने पर उसका सौदा तय हो गया तथा उसने रामनरेश के साथ एग्रीमेंट कर उसको 13 लाख रूपये दे दिये। कुछ समय बाद जब उसने रामनरेश से जमीन की रजिस्ट्री कराने के लिए कहा तो वह टाल मटोल करने लगा। बाद में उसको पता चला कि उक्त भूमि रामनरेश की नहीं है। रामनरेश ने धोखा देकर उससे रूपये ठग लिये है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

डोईवाला में आप ने किया डोर टू डोर जनसंपर्क

संवाददाता

देहरादून। आम आदमी पार्टी ने पूरी ताकत डोईवाला विधानसभा में झोंक दी है। लगातार बड़े नेताओं का दौरा डोईवाला विधानसभा में हो रहा है।

गत दिवसइजहां विधानसभा अध्यक्ष रामनिवास गोयल कार्यकर्ताओं में जीत का मंत्र फूंकने पहुंचे तो उससे पहले दिल्ली के समाज कल्याण मंत्री राजेंद्र पाल गौतम ने डोर टू डोर जनसंपर्क किया। आज सुबह डोईवाला विधानसभा पहुंचे स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जैन ने मॉर्निंग वॉक के दौरान लोगों से जनसंपर्क किया और आम आदमी पार्टी के प्रत्याशी राजू मौर्य केतन के पक्ष में मतदान करने की अपील की आज सुबह दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री डोईवाला

विधानसभा में पहुंचे जहां से जनसंपर्क के बाद कार्यकर्ताओं के साथ आगामी १२ दिनों की चुनावी रणनीति पर चर्चा की।

एयरपोर्ट पहुंचने पर विधानसभा प्रत्याशी राजू मौर्य केतन कैंपेनिंग अमेठी के अध्यक्ष राजेश शर्मा . का जिला संगठन मंत्री जगबीर सिंह, उपाध्यक्ष प्यारा सिंह, उपाध्यक्ष भजन सिंह, महिला मोर्चा उपाध्यक्ष आयशा खान, महिला मोर्चा सचिव आरती, महिला मोर्चा सचिव बबीता कंडवाल, जनसभा सचिव बलदेव सिंह, सह सचिव रणजीत राणा, विधानसभा उपाध्यक्ष सोशल मीडिया प्रभारी सागर हंडा, मीडिया प्रभारी विजय पाठक आदि ने जोरदार स्वागत किया।

घर पर मिनटों में बनाए जा सकते हैं मोज़रैला चीज़ के ये व्यंजन, जानिए रेसिपी

वैसे तो मार्केट में कई तरह की चीज़ मौजूद हैं, लेकिन उनमें से सबसे ज्यादा मोज़रैला चीज़ को लोकप्रिय माना जाता है। चीज का नाम सुनते ही बच्चों से लेकर बड़ों तक के मुंह में पानी आ जाता है। खैर, अगर आपको और आपके परिवार को भी मोज़रैला चीज़ पसंद है तो आप घर पर हमारे द्वारा बताए जाने वाले कुछ आसान मोज़रैला चीज़ी व्यंजन ट्राई कर सकते हैं। आइए आज मोज़रैला चीज़ के पांच व्यंजनों की रेसिपी बताते हैं।

बेक्ड टोमैटो विद चीज़ : आप इस क्लासिक इटैलियन डिश को कुछ ही मिनट में तैयार करके इसका जायका ले सकते हैं। इसके लिए सबसे पहले एक बेकिंग प्लेट पर एक टमाटर काट लें, फिर उनके ऊपर ढेर सारा मोज़रैला और परमेसन चीज़ डालें। इसके बाद टमाटर पर तुलसी की कुछ पत्तियां, स्वादानुसार नमक और जैतून का तेल डालें। अब बेकिंग प्लेट को ओवन में रखकर 1० मिनट के लिए बेक करें, फिर इस व्यंजन कों नाश्ते या साइड डिश के रूप में खाएं।

मार्गेरिटा पिज्जा : अगर आप पहली बार कोई पिज्जा बनाना जा रहे हैं तो आपके लिए मार्गेरिटा पिज्जा बनाना आसान होगा। इसे बनाने के लिए सबसे पहले बाजार से मिलने वाले रेडीमेड पिज्जा बेस लें और उस पर टोमैटो या फिर पिज्जा सॉस अच्छे से स्प्रेड करें। इसके बाद इस पर मोज़रैला चीज़ को कद्दूकस करके अच्छे से गार्निश करें। अब पिज्जा को ओवन ग्रील पर रखकर चार मिनट तक बेक करें, फिर इस स्वादिष्ट व्यंजन का जायका लें।

चीज़ी गार्लिक ब्रेड : चीज़ी गार्लिक ब्रेड बनाने के लिए सबसे पहले ओवन को प्री-हीट करें। इसके बाद हॉट डॉग वाली ब्रेड को बीच में से काट लें, फिर एक कटोरे में एक चम्मच मक्खन, थोड़ा बारीक कटा लहसुन, स्वादानुसार नमक, एक चुटकी काली मिर्च का पाउडर और थोड़ा जैतून का तेल मिलाकर इस मिश्रण को ब्रेड की स्लाइस पर फैलाएं। इसके बाद मोज़रैला चीज़ को कद्दूकस करके ब्रेड पर डालें और इसे 1० मिनट तक ओवन में बेक करके परोसें।

मैक एंड चीज़ : मैक एंड चीज़ एक ऐसा स्वादिष्ट व्यंजन है, जो अपनी दो प्रमुख सामग्रियों के कारण लोकप्रिय है एक तो पास्ता और दूसरा, मोज़रैला चीज़। इसके लिए सबसे पहले एक पैन में थोड़ा दूध उबालें, फिर उसमें पास्ता डालें। अब 1० मिनट तक इस मिश्रण को करछी की मदद से हिलाएं और ठीक से पकाएं। अब इसमें मोज़रैला चीज़ कद्दूकस करके डालें और जब चीज़ अच्छे से पिघल जाए तो समझ जाइए मैक एंड चीज तैयार है और इसे गर्मा-गर्म परोसें।

कैसे कपड़ों से हटा सकते हैं रोएं, अपनाएं ये घरेलू उपाय

आज के समय में कई ऐसे कपड़ें हैं जिनके रोएं बहुत जल्दी आ जाते हैं और फिर वह कपड़े अच्छे नहीं लगते हैं। कई लोग ऐसे कपड़े पहनना छोड़ देते हैं तो कई लोग कपड़ों से रोएं निकालने के लिए नए-नए तरीके खोजने लगते हैं। ऐसे में अगर आप भी इन रोएं से परेशान हैं तो हम आपको बताने जा रहे हैं आज कुछ टिप्स जिससे आप इन रोएं से छुटकारा पा सकते हैं। आइए जानते हैं।

घरेलू सामानों की मदद से रोएं को हटाएं-

रेगमाल का इस्तेमाल करें: अगर आप कपड़ों को इससे रगड़ेंगे, तो कपड़ों का रुआँ निकल जाएगा!

कैंची से रोएं को काटें: अगर रोएं की मात्रा और आकार अधिक है तो उन्हें ध्यान में रखते हुए, आप इसको कैंची से भी काट सकते हैं। जी दरअसल इसके लिए कपड़ों को किसी सपाट जगह पर फैलाया जाए। उसके बाद एक-एक रोएं को हाथ से उठाकर कैंची से काट दिया जाए। वैसे आप एक हाथ कपड़ों के नीचे डाल सकते हैं, ताकि रोएं को अच्छे से ऊपर उठाया जा सके और फिर इसको आसानी से काटा जा सके।

शेविंग रेज़र का इस्तेमाल करें: इसके लिए एक डिस्पोजेबल रेज़र लिया जाए और कपड़े को किसी सपाट जगह पर बिछा दिया जाए। उसके बाद रेज़र को इस्तेमाल करने वाली जगह पर कपड़े को एक हाथ से खींचकर पकड़ें, ऐसा करने से कपड़े को रेज़र से नुकसान नहीं पहुंचेगा। ध्यान रहे थोड़ा-थोड़ा करके बहुत आराम से रेजर से इसको साफ किया जाए।

स्वेटर कॉम्ब खरीदें: अगर आप रोएं से परेशान हैं तो स्वेटर कॉम्ब लें जो एक छोटा सा कंघा होता है। इसके दाँते खासतौर पर कपड़ों का रुआँ निकालने के लिए बनाए जाते हैं। जी हाँ और यह कंघा बालों वाले कंघे से पूरी तरह अलग होता है, क्योंकि इसके दांते छोटे और एक दूसरे के करीब होते हैं। इसे इस्तेमाल करने के लिए कपड़े को तान कर रखें और फिर रोएं वाली जगह पर इसको आराम से चलाएं।

वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *सांध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

–प्रबंधक विज्ञापन

विटामिन- डी की कमी को दूर करने में सक्षम हैं ये पेय पदार्थ, डाइट में करें शामिल

शरीर को स्वस्थ रखने में पोषक तत्वों की संतुलित मात्रा अहम भूमिका निभाती है। इन्हीं पोषक तत्वों में से एक है विटामिन-डी, जिसकी कमी से शरीर कई बीमारियों से घिर सकता है। आमतौर पर विटामिन-डी की कमी को दूर करने के लिए धूप में रहने या फिर सप्लीमेंट्ल लेने को कहा जाता है, लेकिन आप चाहें तो कुछ पेय पदार्थों से भी इसकी कमी दूर कर सकते हैं। आइए कुछ ऐसे पेय पदार्थों के बारे में जानते हैं।

संतरे का जूस

संतरे के जूस में विटामिन- सी के साथ-साथ विटामिन- डी शामिल होता है, जो रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत करने में मदद कर सकता है। वहीं, इसके सेवन हृदय से जुड़े जोखिम कम होते हैं। इसलिए नियमित रूप से एक गिलास संतरे के जूस का सेवन जरूर करें। हालांकि, ध्यान रखें कि संतरे का जूस आर्टिफिशियल फ्लेवर या फिर आर्टिफिशियल कलर युक्त नहीं होना चाहिए। बेहतर होगा कि आप मार्केट की बजाय घर में बना संतरे का जूस पिएं।

सोया मिल्क

सोयाबीन से बनने वाला यह दूध भी विटामिन- डी से समृद्ध होता है। इसका सेवन करने से कई शारीरिक और मानसिक समस्याओं के इलाज में मदद मिल सकती है। सोया मिल्क का सेवन आप नियमित तौर पर एक गिलास तक कर सकते हैं। खासकर वजन घटाने का प्रयास कर रहे लोगों को इसका सेवन जरूर करना चाहिए, लेकिन इसका सेवन करने से पहले एक बारी अपने डॉक्टर से सलाह परामर्श जरूर कर लें।

गाय का दूध

गाय का दूध कई पोषक तत्वों का बेहतरीन स्त्रोत है और इसमें विटामिन- डी भी शामिल होता है। इस दूध का नियमित तौर पर सेवन करने से आप अपने वजन को कम करने से लेकर मधुमेह समेत कोलेस्ट्रॉल के स्तर को नियंत्रित रखने तक कई स्वास्थ्य लाभ पा सकते हैं, लेकिन इसका सेवन सीमित मात्रा में ही करें। ध्यान रखें कि रोजाना एक से दो कप ही गाय के दूध का सेवन करना ही स्वास्थ्य को फायदा पहुंचा सकता है।

पुदीना छाछ

पुदीना छाछ का सेवन भी विटामिन-डी की कमी को दूर करने में मदद कर सकता हैं। इसे बनाने के लिए सबसे पहले एक मिक्सर जार में दही (आवश्यकतानुसार), थोड़ी पुदीने की पत्तियां, एक चुटकी भुना जीरा, एक चुटकी काला नमक और सफेद नमक (स्वादानुसार) डालकर मिक्सर को चलाएं। अब तैयार पुदीना छाछ को एक गिलास में डालकर पीएं। इसके सेवन से आप अपने शरीर में विटामिन- डी के स्तर को बेहतर बना सकते हैं।

क्या आप जानते हैं?

अगर आप इन पेय पदार्थों का अधिक सेवन करते हैं तो ये विटामिन-डी की कमी को पूरा करने की बजाय कई तरह की समस्याओं का कारण बन सकते हैं। इसलिए बेहतर होगा कि आप सीमित मात्रा में ही इनका सेवन करें।

शब्द सामर्थ्य -108

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. व्यर्थ, अकारण, बेवजह (उर्दू) 4. साथ में, सहित 5. वर्षा, बारिश, बरखा 8. कथा, किस्सा 9. चिढ़चिड़ा, बदमिजाज 11. प्रलय, आफत, हलचल 12. लाख ढकने का कपड़ा 13. पिता, क्लर्क, सम्मानित व्यक्ति 14. वायु, पवन 16. निवास करना, उपस्थित होना, ठहरना 18. जिसे लात खाने की आदत हो गई हो 19. सेवक, दास, चाकर 21. भ्राता 22. मेघ, जलद, नीरद।

ऊपर से नीचे

1. विशेष, विशिष्ट 2. सुगंध, खुशबू 3. आदमी, मनुष्य, मानव 5. अपेक्षाकृत, अपेक्षया 6. कष्ट, दर्द, दिक्कत 7. पठन, पढ़ने का काम, शिक्षा 10. किस्मत, नसीब, भाग्यवान 12. एक पक्षी जो पुराने समय में संदेश वाहक का काम करता था 13. बाल, बच्चा, लड़का, छोकरा 17. वायु संबंधी, हवा में रहने, उड़ने या होने वाला, बिलकुल काल्पनिक और निर्मूल 19. नाव, कश्ती 20. वर्ष, बरस, एक इमारती वृक्ष।

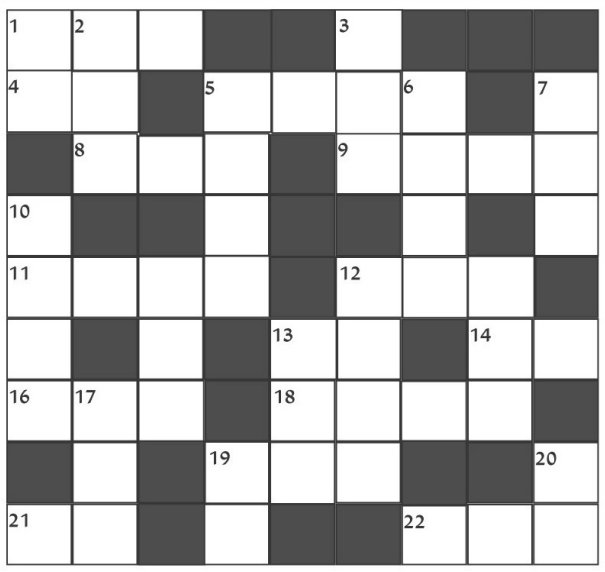

शब्द सामर्थ्य क्रमांक107 का हल

पं	क्ति		स्वा	द		स	ब	ब
जा		सु	हा	ना			ली	द
ब	हु	धा		द	ल	ना		ल
		क	मा	न		ग	ह	ना
भं	व	र				वा	म	
गी	त		म	ज	बू	र		ट
	न	म	स्का	र				र
		र्या			बी		ना	का
सं	वि	दा		ब	स	च	ल	ना

कीर्ति सुरेश की गुड लक सखी का ट्रेलर हुआ रिलीज

राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता अभिनेत्री कीर्ति सुरेश की रोमांटिक-कॉमेडी फिल्म गुड लक सखी के निर्माताओं ने फिल्म का ट्रेलर जारी किया। नागेश कुकुनूर द्वारा निर्देशित महिला केंद्रित, स्पोर्ट्स फिल्म 28 जनवरी को स्क्रीन पर हिट होने वाली है। आदि पिनिसेटी ने फिल्म में पुरुष प्रधान भूमिका निभाई है, साथ ही जगपति बाबू एक महत्वपूर्ण भूमिका में दिखेंगे। ट्रेलर की शुरूआत जगपति बाबू के यह कहते हुए होती है कि वह निशानेबाजों को प्रशिक्षण देंगे जो देश को गौरवान्वित करेंगे। कीर्ति सुरेश को तब बैड लक सखी के रूप में दिखाया जाता है क्योंकि उसके गाँव में हर कोई मानता है कि वह उनके लिए दुर्भाग्य लाती है। गांववालों द्वारा इस कदम का विरोध करने के बावजूद, यह कहते है कि शूटिंग महिलाओं के लिए नहीं है, वह अपने नाम की सिफारिश जगपति बाबू से करती है। वह शुरू में विफल हो जाती है, लेकिन फिर जगपति बाबू उसे प्रेरित करते हैं। ये ट्रेलर प्रेरक सामग्री के साथ प्रभावशाली है। गुड लक सखी तेलुगु, तमिल और मलयालम में एक साथ बनी बहुभाषी फिल्म है। लोकप्रिय निर्माता दिल राजू फिल्म पेश कर रहे हैं जबकि सुधीर चंद्र पदिरी इसे वर्थ ए शॉट मोशन आर्ट्स के लिए प्रोड्यूस कर रहे हैं।

पुष्पा के बाद अल्लू को 100 करोड़ में ऑफर हुई एटली की फिल्म

इन दिनों साउथ में जिस अभिनेता की सबसे ज्यादा चर्चा हो रही है, वह हैं अल्लू अर्जुन। पुष्पा उनके लिए मील का पत्थर साबित हुई है। इसके जरिए वह ना सिर्फ साउथ, बल्कि बॉलीवुड में भी लोकप्रिय हो गए हैं। फिल्म से अल्लू के स्टाइल से लेकर उनके डॉयलाग तक लोग कॉपी कर रहे हैं। अब इस कामयाबी के बाद अल्लू को निर्देशक एटली की अगली फिल्म के लिए भारी-भरकम रकम ऑफर की गई है।

पुष्पा के बाद अल्लू की झोली में कई बड़ी फिल्में आ गिरी हैं। इतना ही नहीं उन्हें इन फिल्मों के लिए मोटी रकम भी दी जा रही है।

रिपोर्टों के मुताबिक, वह अब साउथ के मशहूर निर्देशक एटली के साथ मिलकर काम करने वाले हैं। एटली ने अपनी अगली फिल्म के लिए अल्लू से संपर्क किया है। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि इस प्रोजेक्ट के लिए अल्लू को 100 करोड रुपये की फीस ऑफर की गई है। अपने शानदार निर्देशन के लिए मशहूर एटली थेरी, मार्सल और बिजिल जैसी फिल्मों के लिए जाने जाते हैं। उन्होंने अपनी पहली ही फिल्म राजा रानी के लिए विजय अवॉर्ड अपने नाम कर लिया था। ऐसे में अल्लू और एटली की जोड़ी बेशक बेहतरीन साबित होगी।

एटली बॉलीवुड सुपरस्टार शाहरुख खान को लेकर भी एक फिल्म बनाने वाले हैं, जो लंबे समय से चर्चा में है। शाहरुख और एटली अपने करियर में पहली बार एक-दूसरे के साथ काम करने को बेहद उत्साहित हैं। इस फिल्म में एटली ने शाहरुख के साथ साउथ की मशहूर अभिनेत्री नयनतारा को कास्ट किया है। खास बात यह है कि इसके जरिए एटली पहली बार किसी हिंदी फिल्म का निर्देशन करने वाले हैं। फिल्म का संगीत एआर रहमान दे रहे हैं।

पुष्पा 17, दिसंबर 2021 को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। इस फिल्म में अल्लू अर्जुन के अलावा साउथ अभिनेत्री रश्मिका मंदाना और फहद फासिल भी मुख्य भूमिका में नजर आए, वहीं इस फिल्म का निर्देशन सुकुमार ने किया है। फिल्म में अपने दमदार डायलॉग, शानदार एक्टिंग और डांस मूव्स से दर्शकों को दीवाना बनाने वाले अल्लू देशभर में चर्चा में आ गए हैं। पुष्पा बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचाते हुए 300 करोड़ रुपये के क्लब में एंट्री कर चुकी है।

रश्मिका मंदाना ने प्रियामणि की अगली फिल्म का टीजर लॉन्च किया

रश्मिका मंदाना (जिन्हें हाल ही में बहुभाषी सुपरहिट, पुष्पा - द राइज में श्रीवल्ली की भूमिका निभाते हुए बड़े पर्दे पर देखा गया था) ने भामाकलपम का टीजर लॉन्च किया। अभिमन्यु तादिमेटी द्वारा निर्देशित स्वादिष्ट घर पर बनी थ्रिलर, 11 फरवरी को तेलुगू ओटीटी प्लेटफॉर्म अहा पर प्रीमियर होगी। फिल्म निर्माता भारत कम्मा, (जो डियर कॉमरेड के लिए जाने जाते हैं) शो बना रहे हैं।

रश्मिका ने कहा, जिस क्षण मैंने टीजर देखा, यह बहुत मजेदार लगा। बहुत सारे दिलचस्प विचार हैं। यह एक प्यारी कहानी है, लेकिन बहुत ही मजेदार, दिलचस्प तरीके से शूट की गई है। मैं चाहती हूं कि अनुपमा की भूमिका निभा रही प्रियामणि गारु को ढेर सारा प्यार मिले। टीजर एक पुराने अपार्टमेंट के बीच सेट किया गया है, जो एक गृहिणी, अनुपमा के इर्द-गिर्द घूमता है, जो एक यूट्यूब कुकरी चैनल चलाती है। वह यहां तक कहती है कि यह जानना बहुत मजेदार है कि दूसरे लोगों के जीवन में क्या चल रहा है। एक बरसात की रात में, ध्यान अपार्टमेंट में हुई हत्या पर चला जाता है। अपराध स्थल के आस-पास बहुत सारे रहस्य हैं, कुछ पात्र किसी चीज के बारे में अपनी चिंता व्यक्त करते हैं। गुंडों से लेकर बंदूकों और पीछा करने तक, यह स्पष्ट है कि एक चिंतित अनुपमा किसी परेशानी में है और हत्या की एक महत्वपूर्ण कड़ी है। संगीतकार जस्टिन प्रभाकरण (राधे श्याम और डियर कॉमरेड के संगीत के लिए जाने जाते हैं) ने इसे फिर से संगीत दिया है। दीपक कुमार कैमरामैन हैं और विप्लव संपादन के प्रभारी हैं।

दीपिका, ऋतिक संग काम करने के लिए उत्साहित हैं

दीपिका पादुकोण एक बेहतरीन अदाकारा हैं और आप सभी जल्द ही उन्हें फाइटर फिल्म में देखने वाले हैं। वैसे इन दिनों वह अपनी फिल्मों की वजह से सुर्खियों में हैं। कुछ समय पहले ही उनकी फिल्म 'गहराइयां' का ट्रेलर रिलीज किया गया जिसमें वो एकदम नए अवतार में नजर आई थीं। वहीं इसके बाद से ही उनके इस किरदार को लेकर चर्चाएं शुरू हो गई हैं। आपको बता दें कि दीपिका ने अपने करियर में सबसे ज्यादा बोल्ड सीन 'गहराइयां' फिल्म में दिए हैं। जी हाँ और इसी के साथ दीपिका एक और महत्वपूर्ण फिल्म में काम कर रही हैं जिसमें उनके को-स्टार हैं ऋतिक रोशन। जी दरअसल दीपिका और ऋतिक एक्शन थ्रिलर फिल्म 'फाइटर' में एक दूसरे के साथ काम कर रहे हैं। यह पहली बार है जब ये जोड़ी एक साथ पर्दे पर दिखाई देगी। इस जोड़ी को एक साथ परदे पर देखने के लिए लोग बेताब है।

अब इन सभी के बीच ऋतिक के साथ काम करने को लेकर दीपिका ने अपना अनुभव शेयर किया है और कहा है कि वो हमेशा से ही ऋतिक के साथ काम करना चाहती थीं। बातचीत में अपने और ऋतिक की जोड़ी के बारे में दीपिका ने बात की। उन्होंने कहा कि, कभी-कभी ऐसा नहीं होता कि आपको किसी के साथ सिर्फ काम करना है। इसके आस-पास भी कई चीजें होती हैं। इसी के साथ उन्होंने बताया कि, सिर्फ एक चीज मैटर नहीं करती बल्कि अच्छी स्क्रिप्ट, अच्छा डायरेक्टर और एक अच्छा समय भी मायने रखता है। ये सही समय है हमारा एक साथ काम करने का और मैं हमेशा से उनके साथ काम करना ही चाहती थी।

फाइटर फिल्म को सिद्धार्थ आनंद डायरेक्ट कर रहे हैं और यह बेहतरीन होने वाली है। मिली जानकारी के तहत ऋतिक रोशन और दीपिका पादुकोण की उस फिल्म पर काम शुरू हो गया है और इस फिल्म में बॉलीवुड में पहली बार कुछ अलग तरह का एक्शन इंट्रोड्यूस किया जाएगा।

आदिवी शेष-स्टारर मेजर कोविड के कारण स्थगित

आदिवी शेष अभिनीत मेजर के निर्माताओं ने कर्फ्यू और प्रतिबंधों के बारे में नए नियमों की घोषणा के बाद अपनी फिल्म को स्थगित करने की घोषणा की है। एक आधिकारिक बयान में, निर्माताओं ने कहा, महामारी के आसपास की मौजूदा स्थिति को देखते हुए, हमने सभी के सर्वोत्तम हितों को देखते हुए अपनी फिल्म मेजर की रिलीज को स्थगित करने का फैसला किया है। हमारी फिल्म एक ऐसे व्यक्ति को भावभीनी श्रद्धांजलि है, जिन्होंने अपना जीवन राष्ट्र के लिए बलिदान दिया। उनके जीवन की भावना का सम्मान करते हुए और राष्ट्र की सुरक्षा और हित को पहले रखते हुए, हमने सुरक्षित और अधिक अनुकूल समय पर रिलीज करने का फैसला किया है।

निर्माताओं ने रिलीज को स्थगित करने की घोषणा करते हुए एक पोस्ट साझा करने के लिए सोशल मीडिया का सहारा लिया।

यह फिल्म संदीप उन्नीकृष्णन के समर्पण, साहस, बलिदान और जीवन की भावना के बारे में एक अंतर्दृष्टि प्रदान करती है, जो आश्चर्यजनक दृश्यों और भावनात्मक रूप से मनोरंजक कहानी के साथ मिलकर बनाई गई है। बड़े पर्दे के लिए एक अनुभव को क्यूरेट करने के बाद, निर्माताओं ने फिल्म की रिलीज को तब तक के लिए टालने का फैसला किया है, जब तक कि महामारी की स्थिति में और आसानी न हो जाए।

हाल ही में, निर्माताओं ने तेलुगु और मलयालम में हृदयामा और पोन मलारे शीर्षक से फिल्म के पहले गीत का लिरिकल वर्जन किया, जिसमें आदिवासी शेष और सई मांजरेकर के बीच ताजा केमिस्ट्री पेश की गई।

फिल्म की एक झलक पेश करते हुए, निर्माताओं ने बचपन से ही संदीप उन्नीकृष्णन के जीवन के विभिन्न चरणों, किशोर रोमांस, सेना में गौरवशाली वर्षों को छूने वाले टीजर को रिलीज किया, जिसमें 26/11 मुंबई हमले की त्रासदी में अपने जीवन की आहुति देने तक उनकी वीरता को पर्दे पर उतारा।

महेश बाबू की जीएमबी एंटरटेनमेंट और ए प्लस एस मूवीज के सहयोग से सोनी पिक्र्स फिल्म्स इंडिया द्वारा निर्मित, मेजर का निर्देशन शशि किरण टिक्का ने किया है, जिसमें आदिवासी शेष, शोभिता धूलिपाला सई मांजरेकर, प्रकाश राज, रेवती और मुरली शर्मा ने अभिनय किया है और यह हिंदी, तेलुगु और मलयालम में रिलीज होगी।

फिल्म जी ले जरा से बाहर हो सकती हैं प्रियंका

प्रियंका चोपड़ा काफी समय से फिल्म जी ले जरा को लेकर सुर्खियों में हैं। इस फिल्म के जरिए वह बॉलीवुड में अपनी वापसी करने वाली थीं। एक और खास बात यह थी कि इसके जरिए वह पहली बार कैटरीना कैफ और आलिया भट्ट के साथ काम करने वाली थीं, लेकिन अब प्रियंका इस फिल्म को छोड़ने पर विचार कर रही हैं। उन्होंने निर्माता-निर्देशक फरहान अख्तर से इस बारे में बातचीत की है।

रिपोर्ट के मुताबिक, मां बनने के बाद प्रियंका ने अपनी आगामी योजनाओं में बदलाव किया है। जी ले जरा को लेकर उन्होंने फरहान अख्तर से बात की है। प्रियंका ने कहा कि वह फिल्म में उनकी जगह किसी दूसरी अभिनेत्री को साइन कर लें। प्रियंका फिल्म शुरू करने वाली थीं, लेकिन अब वह अपने बच्चे के साथ वक्त बिताना चाहती हैं, इसलिए उन्होंने फिल्म से पीछे हटने का फैसला किया है। निर्माता उनकी जगह दूसरी हीरोइन तलाश रहे हैं।

प्रियंका ने दो दिन पहले ही अपने प्रशंसकों को यह खुशखबरी दी थी कि वह मां बन गई हैं। उन्होंने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट शेयर कर लिखा, हमें यह बताते हुए बेहद खुशी हो रही है कि हमने सरोगेसी के जरिए अपने बच्चे का स्वागत किया है। उन्होंने आगे लिखा, इस खास मौके पर हम सम्मानपूर्वक आपसे निजता की मांग करते हैं, क्योंकि इस समय हम अपना ध्यान अपने परिवार पर केंद्रित करना चाहते हैं। सभी का धन्यवाद।

इस फिल्म के निर्देशक भी फरहान हैं। इसके जरिए वह निर्देशन जगत में वापसी कर रहे हैं। आखिरी बार फरहान ने 2011 में डॉन 2 के निर्देशन की कमान संभाली थी। उन्होंने पिछले साल अगस्त में फिल्म की घोषणा की थी। यह एक रोड ट्रिप पर आधारित होगी। इसकी कहानी फरहान की बहन जोया अख्तर ने लिखी है। पिछले दिनों खबर आई थी कि इस फिल्म में कैटरीना के अपोजिट उनके पति विक्की कौशल को कास्ट किया जा रहा है।

फरहान-प्रियंका जी ले जरा के लिए भले ही साथ ना आएं, लेकिन इससे पहले दिल धड़कने दो में उन्होंने साथ काम किया था। फरहान इस फिल्म के निर्माता थे। उन्होंने इसमें अभिनय भी किया था। स्काई इज पिंक में दोनों ने मुख्य भूमिका निभाई थी।

प्रियंका पिछली बार हॉलीवुड फिल्म द मैट्रिक्स रीसरेक्शंस में नजर आई थीं। फिल्म में उन्होंने सती की भूमिका निभाई और हमेशा की तरह उन्हें दर्शकों ने भरपूर प्यार दिया। प्रियंका जल्द ही एक अन्य हॉलीवुड रोमांटिक फिल्म टेक्स्ट फॉर यू में भी अपनी मौजूदगी दर्ज कराएंगी। इसकी शूटिंग वह पहले ही पूरी कर चुकी हैं। वह अपनी पहली वेब सीरीज सिटाडेल को लेकर भी सुर्खियों में हैं। एवेंजर्स एंडगेम के रूसो ब्रदर्स इस स्पाई थ्रिलर सीरीज को बना रहे हैं।

दल बदल के मौसम में आहत लोकतंत्र

लक्ष्मीकांता चावला

लगभग चार दशक पहले तक पूरे देश में चुनाव एक ही समय होते थे। विधानसभा और लोकसभा के लिए भारत की जनता वोट करती थी। अपने प्रतिनिधि चुनती थी। लोकतंत्र के मंदिर में अपने-अपने प्रतिनिधियों को भेजने के लिए मानो संगम का मेला ही लगता था। धीरे-धीरे परिस्थितिवश देश के अनेक भागों में चुनाव अलग-अलग समय पर होने लगे, जिसका यह परिणाम हुआ कि अपना देश हर वर्ष ही चुनावी संग्राम में जूझता है। जहां कहीं पहले यह आदर्श वाक्य था कि साध्य के लिए साधन भी शुद्ध चाहिए। अब साधनों की शुचिता तो अतीत की बात हो गई। साध्य अर्थात चुनावों में सफलता, सत्ता प्राप्ति एकमात्र लक्ष्य हो गया। उसके लिए साम-दाम-दंड-भेद या इससे भी कुछ आगे है तो इसका प्रयोग किया जा रहा है।

जब से 2022 में पांचों विधानसभा के चुनावों की घोषणा हुई तभी से राजनेताओं ने एक तो आश्वासनों की बौछार की। मुफ्तखोरी बनी नहीं रहेगी, अपितु बढ़ेगी इसका भरोसा दिया। जनता को रोजगार, उद्योग-धंधे, चिकित्सा शिक्षा के स्वावलंबन की कोई चर्चा नहीं की और इसके साथ ही सत्ता की दौड़ में लगे ये राजनेता दल बदलने के सारे पिछले रिकार्ड तोड़ रहे हैं। हो सकता है कि चुनावों के नामांकन की तिथि तक सैकड़ों और तथाकथित नेता दल बदल लेंगे। इनको तथाकथित इसलिए कहा है क्योंकि ये नेतृत्व नहीं कर रहे, अपितु अपनी-अपनी सत्ता या परिवार की सत्ता सुरक्षित रखने के लिए ही काम कर रहे हैं।

कभी हरियाणा से निकला- आया-राम गया-राम का व्यंग्य वाक्य अब पूरे देश में वैसे ही फैल गया जैसे केरल में एक कोरोना रोगी मिलने के बाद पूरा देश कोरोना की पहली, दूसरी और अब तीसरी लहर में जकड़ा तड़प रहा है। आज का प्रश्न यह है कि समाज दल-बदलुओं को स्वीकार क्यों करता है? आमजन का यह कहना है कि राजनीतिक पार्टियां उत्तर दें, वे उन लोगों के लिए अपने दरवाजे पलक पांवड़े बिछाकर हर समय खुले क्यों रखते हैं, जो सिद्धांतहीन हैं पर सत्ता के लालच में दौड़ते हुए उनके दरवाजों पर आते हैं, फूलों का आदान-प्रदान होता है, पटे या पटके गलों में डाले जाते हैं और दल बदलू नेता इतने समभाव वाले दिखाई देते हैं कि निंदा, स्तुति, मान-अपमान से उन्हें कोई अंतर ही नहीं पड़ता। प्रश्न एक यह भी है कि जो लोग उस पार्टी के वफादार नहीं, जिससे उन्हें पहचान मिली, सम्मान मिला, राजपद प्राप्त हुए और उनकी जिंदाबाद के नारे गली-गली में लगे, ऐसे लोग दूसरी पार्टी में जाकर उनके कैसे वफादार हो जाएंगे। जो लोग सार्वजनिक सभाओं में अपनी जनता के दुख-सुख में साथी बनने की घोषणा करते रहे वे केवल अपने परिवार की विधानसभा सीट के लिए ही क्यों दल बदल जाते हैं? अपने मतदाताओं को धोखा देते हैं?

अभी तो हालत यह हो गई जो उत्तर प्रदेश ने देखा, पंजाब ने देखा, उत्तराखंड ने दिखाया कि ये याद ही नहीं रहता कि दल बदलने वाले नेता पहले किस-किस गली का चक्कर लगाकर आए हैं और वर्तमान पार्टी में आने से पहले किस पार्टी में धन-सत्ता कमा रहे थे। उत्तर प्रदेश का उदाहरण तो बड़ा अफसोसजनक है। सरकार के एक मंत्री कांग्रेस से बीएसपी में, बीएसपी से समाजवादी पार्टी में, फिर भाजपा में और भाजपा से वापस समाजवादी पार्टी में चले गए। संभवत: वहां और कोई ऐसी बड़ी पार्टी नहीं, जिसकी दलदल में वह डुबकी लगा सकें। आश्चर्य यह भी है कि दल बदलने की बीमारी का एक सीजन विशेष ही होता है। वर्षों तक एक पार्टी में सत्तासुख भोगने के बाद अचानक ही इन्हें दलितों की पीड़ा, कमजोरों के साथ हो रहा अन्याय, युवकों की बेरोजगारी का दर्द तंग करने लगता है और फिर एक नहीं बल्कि आधा दर्जन से ज्यादा मंत्री और विधायक दूसरी पार्टी का झंडा और डंडा थाम लेते हैं। पंजाब में तो दो बहुत दुखद, पर रोचक दल बदल हुए। एक एमएलए भाजपा में गए। फूलों के हार पहनाए, पर अगले दिन ही वापस कांग्रेस में चले गए। अमृतसर जिले के एक कांग्रेस नेता चौबीस घंटे भी कांग्रेस छोड़कर भाजपा में न काट सके। वहां उन्हें जितने फूल और पटके मिले थे उतने घंटे बिताए बिना ही वे वापस कांग्रेस में आ गए। पंजाब का शायद ही ऐसा कोई शहर बचा हो जहां यह बीमारी स्वार्थी दल बदली की न फैल रही हो। उत्तराखंड का भी एक ऐसा ही उदाहरण है। उसके अनुसार अपनी पुत्रवधू के लिए जब टिकट प्राप्त नहीं कर सके तो फिर वापस कांग्रेस में चले गए। समाचार क्यों मिलता है भाजपा का पलटवार, कांग्रेस की पूर्व महिला अध्यक्षा भाजपा में आ गई। आदान-प्रदान हो रहा है। आप जानते ही हैं कि सत्तापतियों और धनपतियों को शगुन ज्यादा मिलता है। मुलायम सिंह की पुत्रवधू भी चुनाव लड़ने के लिए यूं कहिए घरेलू राजनीतिक क्लेश के कारण अब भाजपा की ध्वज वाहिका बन चुकी हैं।

कुछ तो मजबूरियां रही होंगी...

कुमार विनोद

दामन प्यार का हो या सियासी पार्टी का, पकड़े या छोड़े जाने के लिए ही होता है! चांदी की दीवार न तोड़कर, प्यार भरा दिल तोड़ने वाली, किसी धनवान की बेटी का किरदार निभा रही हीरोइन जब निर्धन हीरो का दामन छोड़ देती है, तो फिल्मी पर्दे पर दिखने वाला कोई गीत जन्म लेता है, और जब कोई राजनेता अपनी पार्टी छोड़कर अन्य किसी सियासी दल के दामन को खूब धूम-धड़ाके के साथ थाम लेता है, तो अखबारों की हेडलाइन बनती है।

वक्त की नज़ाकत और मौके की ज़रूरत देखकर, कई बार तो नेता खुद ही इस छोड़-छुड़ाई की सच्ची-झूठी वजहें एक-एक करके गिनवा देते हैं, तो कभी-कभार कुछ नेता अपने इस सुकृत्य को शायराना अंदाज़ में यह कहकर भी जस्टीफ़ाई करते नज़र आ जाते हैं कि 'कुछ तो मजबूरियां रही होंगी, यूं कोई बेवफा नहीं होता।' अब यह सामने वाले की बौद्धिक क्षमता और पॉलिटिकल टेस्ट पर निर्भर करता है कि वह इन पंक्तियों की कैसी सप्रसंग व्याख्या करता है। वैसे जानकारों की मानें, तो सच्चे प्यार का दामन बारहमासी लहराता है, जबकि सियासी दामन चुनावी आहट सुनते ही फड़फड़ाने लगता है। बाज दफा किसी-किसी से दामन छुड़वाया जाता है और कभी-कभार जबरदस्ती पकड़वाया भी जाता है। महबूबा से पूछा जा सकता है, 'छोड़कर तेरे प्यार का दामन, ये बता दे कि हम किधर जाएं?' मगर सियासी पार्टी छोड़ने वालों को यह दुविधा कहां?

वैसे इश्क़-मुहब्बत के तजुर्बेकार खिलाड़ी व खुर्राट सियासतदां की एक पहचान यह भी है कि वह एक वक्त में कई दामन पकड़े रखता है। क्या पता, कब कोई दामन छूट जाए या फिर छोड़ना ही पड़ जाए! कुछ खास किस्म का दामन छोड़ने अथवा पकड़ने का मुंहमांगा दाम भी मिल जाता है, बशर्ते कि इस काम को सरअंजाम देने वाले या वाली में दम-खम हो।

यूं तो हर सियासी पार्टी में उच्चकोटि के रफूगर भी पाए जाते हैं, जिनका काम ही इधर-उधर से उधड़ चले पार्टी के दामन की तुरपाई करना होता है। यह बात दीगर है कि कुछ उस्ताद किस्म के रफूगर वक्त-जरूरत किसी और ही पार्टी के सही-सलामत दिखने वाले दामन को थाम लेते हैं। वैसे किसी पार्टी विशेष के दामन पर अपना जन्मजात मालिकाना हक समझने वालों का इसी बात को लेकर आपस में गुत्थमगुत्था होने का आनंद अनिर्वचनीय है।

वैसे भी दामन प्यार का हो, पार्टी का, या फिर दीन का, होता तो थामने के लिए ही है। फिर भले ही, 'बे-खुदी में जिसे हम समझे हैं तेरा दामन, ऐन मुमकिन है कि अपना ही गिरेबां निकले।'

सू- दोकू क्र. 108

		3					7	
9				6		3		8
	7		9		5		6	
						1		9
3		8		7			5	
	1		3		9			7
		2		8		7		
	8				2		4	3
			1					

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक र सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.107 का हल

5	2	4	9	6	7	8	1	3
3	6	7	4	1	8	2	9	5
8	1	9	3	2	5	4	6	7
6	3	5	1	9	4	7	2	8
7	9	8	5	3	2	6	4	1
2	4	1	7	8	6	5	3	9
4	5	3	6	7	9	1	8	2
9	8	6	2	5	1	3	7	4
1	7	2	8	4	3	9	5	6

पाकिस्तान की इस नीति पर कैसे करें ऐतबार

वेदप्रताप वैदिक

पाकिस्तान पहली बार अपनी राष्ट्रीय सुरक्षा नीति की घोषणा की है। जब से पाकिस्तान बना है, ऐसी घोषणा पहले कभी नहीं की गई। इसका अर्थ यह नहीं है कि पाकिस्तान की कोई सुरक्षा नीति ही नहीं थी। यदि ऐसा होता तो वह अपने पड़ोसी भारत के साथ कई युद्ध कैसे लड़ता और आतंकवाद को अपनी स्थायी रणनीति क्यों बनाए रखता? परमाणु बम तो वैसी स्थिति में बन ही नहीं सकता था। अफगानिस्तान के साथ वह कई-कई बार युद्ध के कगार पर कैसे पहुंच जाता? अफगानिस्तान के सशस्त्र गिरोहों को पिछले 50 साल से वह शरण क्यों देता रहता? किसी सुरक्षा नीति के बिना अमेरिका के सैन्य-गुटों में वह शामिल क्यों हो गया था? पहले अमेरिका और अब चीन का पिछलग्गू बनने के पीछे उसका रहस्य क्या है? बस वही, सुरक्षा नीति! सुरक्षा किससे? भारत से।

डर से उपजी नीति

जब से पाकिस्तान बना है, उसके दिल में यह डर बैठा हुआ है कि भारत उसका वजूद मिटा देगा। भारत उसे खत्म करके ही दम लेगा। भारत ने 1971 में पूर्वी पाकिस्तान को तोड़कर बांग्लादेश बना दिया। उसे लगता है कि वह पाकिस्तान के कम से कम चार टुकड़े करना चाहता रहा है। एक पंजाब, दूसरा सिंध, तीसरा बलूचिस्तान और चौथा पख्तूनिस्तान। तो पाकिस्तान भी भारत के टुकड़े करने की कोशिश क्यों न करे? उसकी कोशिश कश्मीर, खालिस्तान, असम, नगालैंड और मिजोरम को खड़ा करने की रही है। तू डाल-डाल तो हम पात-पात! नहले पर दहला मारने की यही नीति पाकिस्तान की सुरक्षा नीति रही है। भारत ने परमाणु बम बनाया तो पाकिस्तान ने भी जवाबी बम बना लिया।

ऐसी सुरक्षा नीति की भला कोई सरकार घोषणा कैसे कर सकती थी? उसे जितना छिपाकर रखा जाए, उतना ही अच्छा। लेकिन उसके नतीजों को आप कैसे छिपा सकते हैं? पिछले 7-8 दशकों में वे नतीजे सारी दुनिया के सामने अपने आप आने लगे। अपने आप को तुर्रम खां बताने वाले पाकिस्तान के फौजी तानाशाहों, राष्ट्रपतियों और प्रधानमंत्रियों को मालदार मुल्कों के आगे भीख का कटोरा फैलाए खड़े रहना पड़ता रहा है। मोहम्मद अली जिन्ना ने पाकिस्तान का जो गुब्बारा 1947 में फुलाया था, उसकी हवा आज तक निकली पड़ी है। जिन्ना के सपनों का पाकिस्तान एक आदर्श इस्लामी राष्ट्र क्या बनता, वह दक्षिण एशिया के सबसे पिछड़े राष्ट्रों में शुमार हो गया।

अब इमरान सरकार ने राष्ट्रीय सुरक्षा नीति की जो घोषणा की है, उसमें आर्थिक सुरक्षा का स्थान सबसे ऊंचा है। इसीलिए उसमें साफ-साफ कहा गया है कि पाकिस्तान अब सामरिक सुरक्षा के बजाय आर्थिक सुरक्षा पर अपना ध्यान केंद्रित करेगा। यदि वह सचमुच ऐसा करेगा तो बताए कि उसका रक्षा-बजट कुल बजट का 16 प्रतिशत क्यों है? यदि अपने इस 9 बिलियन डॉलर के फौजी बजट को वह आधा कर दे तो क्या बचे हुए पैसों का इस्तेमाल पाकिस्तानियों की शिक्षा, चिकित्सा और भोजन की कमियों को पूरा करने में नहीं किया जा सकता? इस नई सुरक्षा नीति की घोषणा के बाद देखना है कि अब उसका बजट कैसा आता है।

यह नई सुरक्षा नीति कोई रातोरात बनकर तैयार नहीं हुई है। पिछले सात साल से इस पर काम चल रहा है, नवाज शरीफ के जमाने से। मियां नवाज के विदेश मंत्री और सुरक्षा सलाहकार रहे बुजुर्ग नेता सरताज अजीज ने इस नई नीति पर काम शुरू किया था। उन्हीं दिनों भारत में बीजेपी की नरेंद्र मोदी सरकार कायम हुई थी। मियां नवाज के घर मोदी अचानक जाकर उनकी नातिन की शादी में शामिल भी हुए थे। उसके पहले मोदी के शपथ-विधि समारोह में नवाज और अजीज ने शिरकत की थी। उन्हीं दिनों इस नई सुरक्षा नीति की नींव पड़ी थी, लेकिन अब जो दस्तावेज प्रकट हुआ है, उसमें मोदी और संघ की कटु आलोचना है। इस नीति की घोषणा करते समय कही गई इस बात पर कौन भरोसा करेगा कि पाकिस्तान अगले सौ साल तक भारत से अपने संबंध सहज बनाए रखेगा? सचमुच आपका यही इरादा है तो अभी भी आपने आधी नीति छिपाकर क्यों रखी है?

रजनी रावत हुई भाजपा में शामिल।

सेक्टर मजिस्ट्रेटों को चुनाव के लिए दिया प्रशिक्षण

नैनीताल (आरएनएस)। २०२२ विधानसभा चुनाव को लेकर नैनीताल में संयुक्त मजिस्ट्रेट प्रतीक जैन ने सोमवार को विधानसभा के सेक्टर मजिस्ट्रेट साथ बैठक की। साथ ही सभी सेक्टर मजिस्ट्रेटों को चुनाव के लिए प्रशिक्षण दिया गया। सेक्टर मजिस्ट्रेटों को ८० साल पूर्ण कर चुके बुजुर्गों व दिव्यांग मतदाताओं को चुनाव के दिन मतदान कराने व पोस्टल बैलट पेपर को निर्वाचन कार्यालय तक जमा करवाने के बारे में विस्तृत प्रशिक्षण दिया गया। संयुक्त मजिस्ट्रेट प्रतीक जैन ने बताया कि नैनीताल विधानसभा में अब तक १८६ लोगों ने पोस्टल बैलट द्वारा मतदान करने के लिए आवेदन भेजे थे, जिनको स्वीकृति भी दे दी गई है। चुनाव के दिन पोस्टल बैलट आवेदकों के घर–घर तक पहुंचाने का रूटमैप तैयार किया जा रहा है। नैनीताल में तीन मॉडल व २ पिंक चुनाव बूथ बनेंगेरू मतदाताओं को आकर्षित करने के लिए चुनाव आयोग द्वारा नैनीताल में नर्सरी स्कूल, शैले हॉल, एसडीएल इंटर कॉलेज को मॉडल बूथ बनाया जाएगा। इसमें रैंप, सेल्फी प्वाइंट समेत विभिन्न प्रकार की सात सजावट रहेंगी।

टनकपुर समेत चार मार्गों में जाम रहे रोडवेज बसों के पहिए

अल्मोड़ा (आरएनएस)। चालकों की कमी से रोडवेज डिपो अल्मोड़ा से बसों का नियमित संचालन नहीं हो पा रहा है। सोमवार को भी डिपो से टनकपुर समेत चार मार्गों में बसों के पहिए जाम रहे। जिससे यात्रियों को परेशानियों का सामना करना पड़ा। डिपो कार्यालय से मिली जानकारी अनुसार सोमवार को अल्मोड़ा से अल्मोड़ा–धरमघर, अल्मोड़ा–टनकपुर, धरमघर–दिल्ली और बागेश्वर–देहरादून मार्ग में बस सेवा बाधित रहीं। जिससे इन मार्गों में यात्रा करने वाले यात्रियों को परेशानियों का सामना करना पड़ा। मजबूरन यात्रियों को दूसरे वाहनों से अधिक किराया देकर यात्रा करनी पड़ी। जबकि बसों का संचालन ठप होने से डिपों को भी एक ही दिन में हजारों की चपत लग गई।

प्रेक्षक ने मतदान केंद्रों का किया निरीक्षण

पौड़ी (आरएनएस)। विधानसभा चुनाव के सामान्य प्रेक्षक चौबटाखाल व लैंसडौन केए दयानंद द्वारा सोमवार को लैंसडौन, जयहरीखाल में विभिन्न मतदान केंद्रों का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने मतदान केंद्रों पर दिव्यांग व वरिष्ठ मतदाताओं के लिए मतदान केंद्रों पर रैंप, विद्युत, शौचालय, पेयजल, शैडो, प्रवेश व निकासी जैसी सुविधाओं को दुरस्त करने को कहा। कहा कि मतदाताओं के लिए मतदान केंद्रों पर सुगम और सहज मतदान करवाने के सभी सुविधाएं जुटा ली जाए। सामान्य प्रेक्षक पौड़ी व श्रीनगर डा. पार्थ सारथी मिश्रा द्वारा मुख्य विकास अधिकारी प्रशांत आर्य, सूचना अधिकारी वीरेंद्र सिंह राणा, नोडल अधिकारी राजनीतिक दल शैलेश भट्ट और सहायक जिला पंचायती राज अधिकारी नितिन नौटियाल के साथ बैठक की। बैठक में जिले के मतदाता जागरूकता अभियान आदि की जानकारी ली गई। कहा कि मतदाताओं की विभिन्न श्रेणी के अनुरूप मतदाता जागरूकता कार्यक्रम और अभियान चलाए जाएं।

कांग्रेस के सभी एजेंडे काल्पनिक..

▶▶ पृष्ठ 1 का शेष

आज राजपुर से शुरु किए गए इस महा अभियान के तहत सीएम ने जहां पुरोला विधानसभा क्षेत्र में भाजपा प्रत्याशी दुर्गेश लाल के समर्थन में प्रचार किया वहीं उनका थराली व ज्वालापुर विधानसभा क्षेत्र में जाने का कार्यक्रम है। हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर ने आज हल्द्वानी में भाजपा प्रत्याशी के समर्थन में चुनाव प्रचार किया वही प्रदेश अध्यक्ष मदन कौशिक में राजपुर और डोईवाला सीट पर भाजपा प्रत्याशी के पक्ष में डोर टू डोर चुनाव प्रचार किया और भाजपा प्रत्याशियों को जिताने की अपील की।

सरकारी योजनाओं के नाम पर लाखों रुपये की ठगी करने वाला सरगना गिरफ्तार

संवाददाता

देहरादून। सरकारी योजनाओं में निवेश का झांसा देकर लाखों रूपये की ठगी करने वाले गिरोह का मुखिया को एसटीएफ ने गिरफ्तार किया।

आज यहां इसकी जानकारी देते हुए एसएसपी एसटीएफ अजय सिंह ने बताया कि सरकारी योजनाओं में निवेश का झांसा देकर लोगों से ठगी करने वाले गिरोह के सरगना कृष्णकांत पुत्र विनोद निवासी बद्रीश कालोनी बैरियर नम्बर6 रानीपुर को गिरफ्तार किया गया। उन्होंने बताया कि आरोपी द्वारा वर्ष 2020 में जनपद हरिद्वार के ज्वालापुर में इंटरनेशनल बुद्धिज्म फाउडेशन, स्वर्ण भूमि इंटरनेशनल बुद्धिज्म फांउडेशन के नाम से कम्पनी खोली गयी थी। जिसमे यह लोगों को बैंक तथा सरकारी योजनाओं में लोन दिलाने के नाम पर फीस वसूलने का काम करते थे तथा कन्याधन, वृद्धा पेंशन, विधवा पेंशन, बेरोजगार पेंशन, बच्चों की पढाई का लोन, बेटी की शादी के नाम पर बैंक और सरकारी योजनाओं से लोन दिलाने के नाम पर अपनी कम्पनी में रजिस्ट्रेशन करने के लिए 300, 500, 600 रूपये की फीस की रसीद काटते थे और यह झांसा देते थे कि रजिस्ट्रेशन करने पर आपको एक साल बाद दो लाख रूपये का लोन पास हो जाएगा। फीस की रकम कम लेते थे जिससे काम ना होने

पर पीडित व्यक्ति शिकायत नहीं करते थे। लेकिन कई व्यक्तियों से फीस लेने से उनके पास काफी धनराशि एकत्रित हो जाती थी साथ ही साथ लोगों को एक मुश्त कम्पनी के द्वारा विदेश कम्पनी में निवेश करने पर 35 से 40 प्रतिशत प्रतिवर्ष ब्याज का लालच देते थे और उसके अगले साल कुल रकम का 45 प्रतिशत प्रतिवर्ष ब्याज चुकाने का झांसा दिया जाता था जिसकी एक एफडी बनाकर पीडित को दी जाती थी। उन्होंने बताया कि आरोपी के बैंक विवरण के विश्लेषण में ज्ञात हुआ है कि विभिन्न पीडितों द्वारा 25 लाख रूपये का लेन देन किया गया है। आरोपी और उसके साथियों द्वारा नगद या बैंक द्वारा कितनी धनराशि ठगी गयी है इसके बारे में पता किया जा रहा है। आरोपी व उसके साथियों के विरूद्ध पूर्व में उत्तर प्रदेश के सहारनपुर में थाना नागल तथा सदर बाजार में मुकदमा दर्ज था जिसमे कृष्णकांत के साथ 7 साथी अमित पुत्र प्रेमचंद निवासी मोहनपुर सहारनपुर, अक्षय पुत्र सुमेरचंद निवासी शेखपुरा कदीम, अंकित पुत्र सत्यपाल निवासी बहादरपुर जट हरिद्वार, अनुज कुमार पुत्र वीर सिंह निवासी शेखपुरा कदीम सहारनपुर, जुरेश कुमार पुत्र पूरणचंद निवासी हासिमपुरा देवबंद सहारनपुर, राजू भाटिया पुत्र पल्टुराम निवासी हासिमपुरा देवबंद सहारनपुर शामिल थे। इसके अन्य साथी अभी जेल में है तथा यह जमानत पर छूटा था तथा जमानत पर छूटने के बाद यह फिर ठगी करने लगा था। एसटीएफ ने उसके कब्जे से एक डेस्कटॉप, दो हार्डडिस्क, रसीद बुक डिजिटल सिग्नेचर सर्टिफिकेट यूएसबी बरामद कर लिये। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर उसको न्यायालय में पेश किया जहां से उसको न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया है।

फर्जी दारोगा कर रही थी वसूली, गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

हरिद्वार/देहरादून। कलियर क्षेत्र में एक फर्जी महिला दारोगा के दुकानदारों से अवैध वसूली किये जाने का मामला सामने आया है। सूचना मिलने पर पुलिस ने उसे तत्काल गिरफ्तार कर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है।

जानकारी के अनुसार आज सुबह उत्तराखण्ड पुलिस की वर्दी पहने एक कथित महिला दारोगा दरगाह अब्दाल साहब क्षेत्र में पहुंची। जहां उस कथित महिला दारोगा द्वारा दुकानदारों को धमकाया जाने लगा। इस बीच उक्त महिला दारोगा द्वारा एक महिला सहित

दो परचून की दुकान चलाने वाले लोगों से 11 हजार रूपये की अवैध वसूली कर ली गयी। उक्त महिला दारोगा की संदिग्ध गतिविधियों को देखकर कुछ लोगों को उस पर शक हुआ और उन्होने मामले की जानकारी कलियर थाना पुलिस को दे दी। सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने उसे मौके पर हिरासत में ले लिया। थाने लाकर की गयी पूछताछ में उसने अपना नाम शबनम अंसारी पत्नी जावेद अंसारी निवासी यमुनानगर हरियाणा बताया।

बताया कि वह उत्तराखण्ड पुलिस की फर्जी यूनिफार्म पहन कर दुकानदारों से अवैध वसूली कर रही थी। एसओ कलियर धर्मेन्द्र राठी के अनुसार दुकानदार बद्री भगत की तहरीर पर उन्होने उक्त फर्जी महिला दारोगा के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर अग्रिम कार्यवाही शुरू कर दी गयी है।

श्री धोलेश्वर महादेव मंदिर ग्राम धौलास का 29वां स्थापना दिवस धूमधाम से मनाया

संवाददाता

देहरादून। श्री धोलेश्वर महादेव मंदिर ग्राम धौलास देहरादून का 29 वां स्थापना दिवस हर्षोल्लास धूमधाम और कोरोना संकटकाल को देखते हुए सूक्ष्म रुप में मनाया गया। भजन कीर्तन, भगवान श्री धोलेश्वर महादेव के विशेष श्रृंगार के साथ-साथ, रुद्राभिषेक और विशेष आरती का भी आयोजन किया गया।

इस अवसर पर श्री धोलेश्वर महादेव मंदिर के संस्थापक आध्यात्मिक गुरु आचार्य विपिन जोशी ने सबको शुभकामनाएं देते हुए भगवान शिव का महत्व समझाते हुए बताया कि देवाधिदेव महादेव पंचदेव में प्रधान है सभी को

खजाने बांटते हैं किंतु स्वयं बहुत सरलता और सादगी के साथ रहते हैं। कहा कि एक लोटा जल और बिल्वपत्र अर्पित करने से महादेव प्रसन्न हो जाते हैं। इस अवसर पर गीता जोशी,आचार्य कुलदीप कुकरेती, राम सिंह बिष्ट, खुशाल सिंह बिष्ट, राधा बिष्ट, पूनम बिष्ट, लक्ष्मी बिष्ट आदि का विशेष सहयोग रहा।

कोरोना से डरे नहीं सतर्क रहें, सुरक्षित रहें

एक नजर

सुरक्षा परिषद में प्रक्रियात्मक मतदान में भारत ने नहीं लिया हिस्सा

संयुक्त राष्ट्र। भारत ने सोमवार को यूक्रेन सीमा पर हालात के संबंध में चर्चा के लिए होने वाली बैठक से पहले संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) में प्रक्रियात्मक मतदान में भाग नहीं लिया। भारत ने रेखांकित किया कि शांत और रचनात्मक कूटनीति समय की आवश्यकता है और अंतरराष्ट्रीय शांति और सुरक्षा के बड़े हित में सभी पक्षों द्वारा तनाव बढ़ाने वाले किसी भी कदम से बचना चाहिए। संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि टीएस तिरुमूर्ति ने परिषद में कहा कि नयी दिल्ली रूस और अमेरिका के बीच चल रही उच्च–स्तरीय सुरक्षा वार्ता के साथ–साथ पेरिस में नॉरमैंडी प्रारूप के तहत यूक्रेन से संबंधित घटनाक्रम पर बारीकी से नजर रख रही है। तिरुमूर्ति ने कहा, भारत का हित एक ऐसा समाधान खोजने में है जो सभी देशों के वैध सुरक्षा हितों को ध्यान में रखते हुए तनाव को तत्काल कम कर सके और इसका उद्देश्य क्षेत्र तथा उसके बाहर दीर्घकालिक शांति और स्थिरता हासिल करना हो। सभी देशों के वैध सुरक्षा हितों को ध्यान में रखने की बात कहकर भारत ने ऐसे संकेत दे दिए हैं कि वह कुछ हद तक रूस के हितों के साथ जाता दिख रहा है।

चीनी सैनिकों ने मीराम तारौन को दी थी बर्बर यातना

ईटानगर। चीन ने भारत की अरुणाचल सीमा से अगवा किये १७ साल के मीराम तारौन को हिरासत में बर्बर यातनाएं दी। इस बात का खुलासा स्वयं मीराम के पिता ने किया है। भारतीय फौज के प्रयासों से सकुशल रिहा हुए मीराम ने घर वापसी के बाद अपने पिता को सारी घटना से अवगत कराया। इस मामले में ईटानगर के डीसी शाश्वत सौरभ ने बताया कि अरुणाचल प्रदेश से चीनी सेना द्वारा अगवा किए गए मीराम तारौन को वापस परिवार के सुपुर्द कर दिया गया। शाश्वत सौरभ ने कहा कि सियांग जिले के तूतिंग में सेना ने एक समारोह का आयोजन किया, जिसमें सेना ने सोमवार शाम को मीराम तारन के माता–पिता को उसकी कस्टडी दे दी। उसके बाद मीराम के माता–पिता उसे लेकर वापस घर लौटे तो स्थानीय प्रशासन और पंचायत नेताओं ने उनका जबदस्त स्वागत किया। घर वापसी के बाद मीराम के पिता ओपांग टैरोन ने बताया कि चीन की पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) ने हिरासत में मीराम के साथ बहुत अत्याचार किया और लगभग एक हफ्ते तक उसकी आंखों पर पट्टी बांधे रहे। टैरोन ने बताया कि चीनी सेना ने १७ साल के किशोर को इतनी यातनाएं दी कि वो अब तक सदमे की स्थिति में है। चीनी फौज के जवान उसकी पीठ पर लात मारते थे और बिजली के झटके भी देते थे।

श्रीलंका ने भारत के 21 मछुआरों को किया गिरफ्तार

श्रीलंका की नौसेना ने मंगलवार को कहा कि उसने स्थानीय मछुआरों द्वारा सतर्क किए जाने के बाद देश के क्षेत्रीय जल में कथित रूप से अवैध शिकार करने के आरोप में २१ भारतीय मछुआरों को गिरफ्तार कर लिया है। साथ ही मछली पकड़ने के दो ट्रॉलर भी जब्त किए गए हैं। यह घटना तब हुई जब स्थानीय मछुआरे उत्तर में भारतीयों को मछली पकड़ने के लिए श्रीलंकाई जल में प्रवेश करने से रोकने के लिए एक सप्ताह से अधिक समय से विरोध कर रहे हैं। दो भारतीय नौकाओं को स्थानीय मछुआरों ने सोमवार की मध्यरात्रि के आसपास अंतरराष्ट्रीय जल क्षेत्र के श्रीलंकाई हिस्से में प्वाइंट पेड्रो के तट पर देखा था। नौसेना के प्रवक्ता कैप्टन इंडिका सिल्वा ने कहा कि भारतीय मछुआरों और दो नौकाओं को मछली पकड़ने के निरीक्षणालय ने आगे की कार्रवाई के लिए कांकेसंतुरई में पुलिस की हिरासत में सौंप दिया गया। स्थानीय मछुआरों ने दावा किया कि उनके दो सहयोगी उत्तरी समुद्र में लापता हो गए थे और उन्हें डर था कि भारतीय मछुआरों ने उन्हें नुकसान पहुंचाया है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, स्थानीय लोगों का कहना है कि दो श्रीलंकाई मछुआरों के शव जाफना के मरदानकेनी समुद्र तट से मिले थे।

अभी भी बगावत की आग बुझाने के प्रयास जारी

कांग्रेस से चार बागी निष्कासित

संवाददाता

देहरादून। नाम वापसी की तारीख बीत जाने के बाद भी चुनाव मैदान में डटे बागियों को अभी भी मनाने की कोशिश जारी है और जो अभी भी मानने को तैयार नहीं है उनके खिलाफ अब भाजपा और कांग्रेस सख्त कदम उठाने पर विवश दिखाई दे रही है।

टिकट न मिलने से नाराज भाजपा के जिन बागियों ने अपनी पार्टी के प्रत्याशी के खिलाफ निर्दलीय पर्चा भर कर अपना विरोध जताया था उन्हें लेकर भाजपा अभी भी नरम रुख अपनाए हुए हैं। भाजपा का कहना है कि यह सब पार्टी के कार्यकर्ता रहे हैं। अगर वह आज नाराज हैं और कल पार्टी के लिए काम करने को तैयार हो जाते हैं तो उनके खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की जाएगी। और अगर नहीं मानते हैं तो फिर पार्टी उनके खिलाफ कार्रवाई करने पर विवश होगी।

उधर भाजपा की कुल 12 सीटें ऐसी हैं जिन पर अभी 15 बागियों के चुनाव मैदान में डटे रहने से पार्टी असहज है। खबर है कि भाजपा अंतिम तिथि के बीत जाने के बाद भी इन्हें मनाने की कोशिशों में लगी हुई है। प्रदेश अध्यक्ष मदन कौशिक ने आज फिर डोईवाला सीट से नाराज चल रहे जितेंद्र नेगी से संपर्क कर उन्हें मनाने की कोशिश की। मदन कौशिक का कहना है कि जिन्होंने नाम वापस नहीं लिया है वह अगर अभी भी पार्टी प्रत्याशी के समर्थन में काम करने पर सहमत हो जाते हैं तब भी पार्टी उनके सम्मान का ख्याल रखेगी। लेकिन जो नहीं मानेंगे उनके खिलाफ मजबूत कार्यवाही करनी ही होगी।

उधर कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष गणेश गोदियाल का कहना है कि जिन दो–चार सीटों पर लोग असंतुष्ट हैं उन्हें उम्मीद है कि वह जल्द ही पार्टी के साथ खड़े दिखाई देंगे। कुल मिलाकर भाजपा व कांग्रेस दोनों ही दलों के नेता अभी भी इस बगावत की आग को बुझाने में जुटे हुए हैं।

देहरादून (सं)। लाख प्रयासों के बाद भी बगावत पर अडिग दिख रहे हैं चार बागियों को आखिरकार कांग्रेस ने 6 साल के लिए पार्टी से निष्कासित कर दिया है। महा सचिव संगठन मथुरा दत्त जोशी ने इस आशय की जानकारी देते हुए बताया कि पार्टी ने रामनगर सीट से बगावत करने वाले संजय नेगी तथा लाल कुआं सीट पर बागी प्रत्याशी संध्या डालाकोटी व यमुनोत्री सीट से बागी प्रत्याशी संजय डोभाल व रुद्रप्रयाग से कांग्रेस प्रत्याशी के खिलाफ निर्दलीय चुनाव मैदान में उतरे मातबर सिंह कंडारी को 6 साल के लिए पार्टी से निष्कासित कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि अन्य सीटों पर भी अगर पार्टी प्रत्याशी का विरोध करने वाले नहीं मानते हैं तो उनके खिलाफ भी पार्टी इसी तरह की कार्रवाई करेगी।

आम आदमी के लिए बजट में कोई बदलाव नहीं

संवाददाता

नई दिल्ली। केंद्रीय वित्त मंत्री सीतारमण ने आज संसद में अपना चौथा वार्षिक बजट पेश किया जिसमें विकास दर 9.2 प्रतिशत के लक्ष्य और वित्तीय घाटे में 4 प्रतिशत की कमी करने को सरकार की बड़ी सफलता बताया गया है। बजट की खास बात यह है कि इसमें आयकर के टैक्स स्लैब में कोई बदलाव नहीं किया गया है और न मध्यम तथा गरीब वर्ग के लिए किसी खास योजना को लाए जाने की बात कही गई है।

अपना चौथा वार्षिक बजट पेश करते हुए केंद्रीय वित्त मंत्री ने आम आदमी के लिए बजट में कोई बदलाव नहीं किया गया है। उन्होंने कोरोना काल की दिक्कतों के बावजूद भी जनवरी माह में रिकॉर्ड एक लाख 40 हजार करोड़ जीएसटी से धन संग्रह की बात करते हुए कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था तेजी के साथ आगे बढ़ रही है। उन्होंने सरकारी कर्मचारियों को राहत देते हुए एनपीएस (नेशनल पेंशन स्कीम) में सरकार की भागीदारी को 10 फीसदी से बढ़ाकर 14 फीसदी करने की घोषणा की है। वही कारपोरेट जगत को बड़ी राहत देते हुए उन्होंने कारपोरेट पर लगने वाले सर चार्ज को घटाकर 12 फीसदी से 7 फीसदी करने की घोषणा की गई। जिसका उद्योग जगत द्वारा स्वागत किया गया है।

कृषि कानूनों को लेकर नाराज चल रहे किसानों को खुश करने के लिए वित्त मंत्री ने एमएसपी पर और अधिक खरीदारी सरकार द्वारा किए जाने की बात कही है और इसके लिए 2 लाख 37 हजार करोड़ की व्यवस्था बजट में की गई है।

❑सरकार का सारा जोर डिजिटलाइजेशन पर ❑कारपोरेट जगत को भारी राहत

वहीं किसानों को डिजीटल मदद की घोषणा भी की गई। जो उन्हें खाद–बीज आदि के माध्यम से प्रदान की जाएगी। सरकार द्वारा गंगा किनारे के 5 किलोमीटर क्षेत्र में ऑर्गेनिक खेती को बढ़ावा देने की मदद का प्रावधान भी किया गया है। सरकार द्वारा अगले एक साल में प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत 40 लाख घर बनाए जाएंगे इसका उल्लेख भी सीतारमण द्वारा अपने बजट में किया गया है। वही 2023 तक देश में आरबीआई द्वारा डिजिटल करेंसी लांच करने की घोषणा वित्त मंत्री द्वारा की गई है। सीतारमण ने आरटीआर में होने वाली गलतियों के 2 साल में सुधारने का मौका भी दिया गया है। वही क्रिस्टो करेंसी से होने वाली आय पर 30 फीसदी टैक्स लगाने की बात भी कही गई है। उन्होंने इस साल देश में 5 जी लांच किए जाने की घोषणा करते हुए 75 जिलो को ब्रॉडबैंड से लैस करने की बात कही है। बजट पेश होने के बाद देश के शेयर बाजार में भारी गिरावट देखी गई है।

हरीश रावत बोले बजट चुनाव से प्रभावित

देहरादून। उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत ने केंद्र सरकार के बजट को चुनाव प्रभावित बजट बताते हुए कहा कि बजट पांच राज्यों के चुनावों को ध्यान में रखकर ही बनाया गया है। उन्होंने कहा कि बजट में महंगाई रोकने और आम आदमी को किसी तरह की कोई राहत देने का प्रयास नहीं किया गया है। उन्होंने कहा कि सरकार निजी करण की अंधी दौड़, दौड़ रही है जिससे अर्थव्यवस्था को भारी खतरा बना हुआ है।

करोडों की धोखाधडी में 11 लोग नामजद

संवाददाता

देहरादून। एसटीएफ ने कोपरेटिव सोसायटी बनाकर लोगों से निवेश के नाम पर करोडों रूपये ठगने के मामले में 11 लोगों के खिलाफ पटेलनगर कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराया। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार इंस्पेक्टर एसटीएफ महेश्वर प्रसाद पुरवाल ने पटेलनगर कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि एसटीएफ के पास एक शिकायत आयी थी कि पटेलनगर क्षेत्र में महेश कुमार पुत्र मदनलाल निवासी प्रकाश विहार नेहरू कालोनी, पीताम्बर लाल पुत्र बाबू सिंह निवासी बैरागीवाला विकासनगर, शेखर पुण्डीर पुत्र महेन्द्र पुण्डीर निवासी आदर्श कालोनी सुभाषनगर, नीरज कश्यप पुत्र सूरत सिंह निवासी नया गांव पेलिया, राजेश बिष्ट पुत्र टीएस बिष्ट निवासी गुमानीवाला हिमानी मिश्रा, कविता मिश्रा जाबिर मियां व रितू पुण्डीर इन लोगों द्वारा क्षेत्र में सर्वोत्तम कोपरेटिव सोसायटी के नाम से कार्यालय खोल रखा था तथा यह लोगों को एजेंट बनाकर आरडी व एसडी आदी बनाने के नाम पर लगभग सैकडों लोगों से करोडो रूपये की ठगी करके अपना कार्यालय बंद कर फरार हो गये हैं। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

आर.एन.आई.- 59626/94

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

प्रधान संपादक
कांति कुमार

संपादक
पुष्पा कांति कुमार

समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार

कानूनी सलाहकार:
वी के अरोड़ा, *एडवोकेट*
बैजनाथ, *एडवोकेट*

कार्यालय: दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808

नोट: सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।